शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 173 | गुवाहाटी | गुरुवार, 23 जनवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एससी ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में ... पेज 2
गौतम भुइयां के तबादले के विरोध में जिला आयुक्त कार्यालय के ... पेज 3
भारत पर्व पर नई दिल्ली के लाल किला प्रांगण में राजस्थान... पेज 5
जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले से पहले रोहित शर्मा... पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

समस्त जीवो मे मनुष्य सर्वश्रेष्ठ बताया गया है; क्यूंकि उसके पास आत्मविवेक और आत्मज्ञान है।

– ईश्वर चंद्र विद्यासागर

असम के विकास और वृद्धि में जापान एक स्वाभाविक साझेदार है : मुख्यमंत्री

टोक्यो। एडवांटेज असम 2.0 निवेश और अवसंरचना शिखर सम्मेलन के लिए जापान में वैश्विक आउटरीच पहल के दूसरे चरण के पहले दिन, मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज टोक्यो में 160 से अधिक जापानी व्यापार जगत के नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने भारत और जापान के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों को और अधिक ऊंचाई पर ले जाने में उत्प्रेरक के रूप में असम की बढ़ती भूमिका को दोहराते हुए असम के आर्थिक चमत्कार और व्यापार करने में आसानी को प्रस्तुत किया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा, जो दक्षिण कोरिया की अपनी सफल यात्रा के बाद जापानी उद्योगपतियों और व्यापार निकायों को लुभाने के लिए जापान की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, ने आज टोक्यो में एक रोड शो में भाग लिया, जहां उन्होंने असम की अर्थव्यवस्था, इसके निवेश पारिस्थितिकी तंत्र और व्यापार अनुकूल नीतियों को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 2014 से असम की अर्थव्यवस्था मजबूत विकास पथ पर है। राज्य का सकल घरेलू उत्पाद 2013-14 में 29 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2023-24 में 68.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है, जिसमें 12.4 प्रतिशत की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर है, जिससे असम शांति और विकास का प्रतीक बन गया है। डॉ. शर्मा ने उद्योगपतियों और संभावित निवेशकों का ध्यान असम के सकारात्मक और निवेशकों के अनुकूल परिदृश्य की ओर आकर्षित करते हुए कहा कि 3.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहनों की एकल खिड़की व्यवस्था ने असम को निवेश के लिए पसंदीदा स्थान बना दिया है। डॉ. शर्मा ने यह भी कहा कि हाल के वर्षों में असम ने राज्य में बड़े पैमाने पर निवेश सुनिश्चित करने के लिए बहुत बड़ी प्रगति की है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने यह भी दर्शाया कि असम के विकास और वृद्धि की दिशा में जापान एक स्वाभाविक साझेदार है। इसलिए, आगामी एडवांटेज असम 2.0, निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में जापानी उद्योगपतियों, निवेशकों और उद्यमियों की भागीदारी के अलावा जापान के साथ मजबूत संबंधों को बढ़ावा देना असम और जापान दोनों के लिए पारस्परिक लाभ के लिए एक जीत-जीत वाला व्यापारिक इंटरफेस साबित होगा। रोड शो के दौरान मुख्यमंत्री ने असम के मजबूत बुनियादी ढांचे, निर्बाध कनेक्टिविटी और जीवंत शैक्षणिक माहौल पर भी प्रकाश डाला, जो राज्य को एक आशाजनक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करता है। असम के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक प्रमुख औद्योगिक राज्य बनने की असम की महत्वाकांक्षाओं के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भरपूर समर्थन को दोहराते हुए, डॉ. शर्मा ने असम में केंद्र सरकार की एक्ट ईस्ट नीति द्वारा बनाए गए अवसरों पर -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

जल आपूर्ति परिसर में लटका मिला एसएसबी कांस्टेबल का शव

मंगलदै। असम के दरंग जिले में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कांस्टेबल की कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। बेजपाड़ा श्यामाबाड़ी शिविर के एसएसबी जवान को बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने पास की जलापूर्ति योजना के एक कमरे में लटका हुआ पाया। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक में दो अलग-अलग सड़क हादसों में गई 14 लोगों की जान, 25 घायल

यल्लापुरा। कर्नाटक के रायचूर और यल्लापुरा से एक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। रायचूर में एक वाहन के पलटने से तीन छात्रों समेत चार लोगों की मौत हो गई और दस अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सिंधनूर पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया। साथ ही शवों को शवगृह में और घायलों को अस्पताल पहुंचा गया। -शेष पृष्ठ दो पर

जलगांव में बड़ा ट्रेन हादसा

अफवाह ने ली 16 लोगों की जान, 40 घायल

मृतकों के परिजनों को पांच लाख रुपए की आर्थिक मदद की जाएगी : सीएम

मुंबई (हि.स./एजे)। लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस बुधवार को शाम 5 बजकर 47 मिनट पर जलगांव के पासे हादसे की शिकार हो गई। दरअसल, जैसे ही ट्रेन महाराष्ट्र के भुजवल स्टेशन से निकलकर जलगांव के परांडे स्टेशन पर पहुंची, वैसे ही ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैल गई। कहा जा रहा है कि इस अफवाह के बाद लोगों ने ट्रेन का चेन पुलिंग कर दिया। अब तक जो जानकारी मिली है, उसके मुताबिक पुष्पक एक्प्रेस को रोकने के बाद बोगी से लोग कूदने लगे। इसी दौरान दूसरी पटरी से कर्नाटक एक्सप्रेस आ गई। कूदने के दौरान जो लोग कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आए, वो वहीं मारे गए। घटना के बाद कुछ देर तक दोनों ही ट्रेन में अफरातफरी मच गई। हालांकि, बाद में सिचुएशन कंट्रोल कर दोनों ट्रेन को स्टेशन से रवाना कर दिया गया। इस पूरे हादसे में 16 लोगों के मरने और 40 लोगों के घायल होने की खबर है। अनुमान है कि अफवाह की वजह से 50 से ज्यादा लोग ट्रेन से कूदे थे। इनमें से वे लोग हादसे के शिकार हो गए, जो चेन पुलिंग के बाद ट्रैक के दाएं ओर कूदे थे। कुछ लोगों के पुल के बीच में कूदने से भी मरने की बात कही जा रही है। वायरल वीडियो में मरने वाले लोगों के शव को ट्रेन के थर्ड एसी के पास देखा जा रहा है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि आग की अफवाह पहले थर्ड एसी में ही फैली है। जहां हादसा हुआ है, वहां से एक छोटी नदी भी गुजरती है। पुल होने की वजह से भी कुछ लोगों के मरने की बात कही जा रही है। घटना के बाद डीआरएम भुजवल के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। जांच के बाद शवों को स्थानीय अस्पताल भेजा जा रहा है। यहां से पोस्टमार्टम के बाद परिजनों से संपर्क किया -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर से समर्थन वापस लेने का पत्र पर जदयू प्रदेश अध्यक्ष पर गिरी गाज

इंफाल/नई दिल्ली (हि.स.)। मणिपुर की एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भाजपा-नीत राजग सरकार से समर्थन वापसी को लेकर राज्यपाल को पत्र लिखने पर जदयू के प्रदेश अध्यक्ष पर ही गाज गिर गई। जदयू के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष के. बीरेन सिंह के फैसले को गलत करार देते हुए उनको अध्यक्ष पद से हटा दिया। जदयू के केंद्रीय नेतृत्व ने कहा कि मणिपुर सरकार को समर्थन जारी रहेगा। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष बीरेन सिंह ने बुधवार को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को एक पत्र भेजकर पार्टी के एकमात्र विधायक अब्दुल -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल विस चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देगी भाजपा

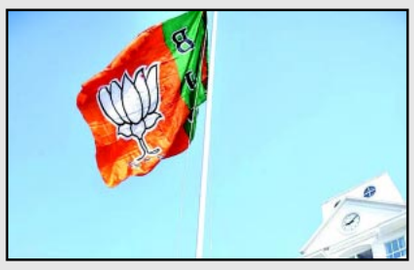

इटानगर। भारतीय जनता पार्टी की अरुणाचल प्रदेश इकाई ने बड़ा एलान किया है। राज्य इकाई के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कलिंग मोयॉन्ग ने कहा कि भाजपा अगले विधानसभा चुनाव में महिला आरक्षण पर कानून को अक्षरश: लागू करेगी। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को सत्ता में आने के लिए एक मंच मिलेगा। मोयोंग ने कहा कि मुख्यमंत्री पेमा ने चर्चा के दौरान उनसे महिला उम्मीदवारों को घरों से -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में दो उग्रवादी गिरफ्तार, चार जिलों से भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में अलग-अलग अभियानों में दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को मंगलवार को टॉप खोंगनांगखोंग से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि उसकी पहचान येंगखोम भोगेन सिंह (50) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (एमएफएल) के एक सदस्य की पहचान पुखरामबम थोइबा -शेष पृष्ठ दो पर

हिरासत में विदेशियों को रखने का कारण न बताने पर एससी नाराज

असम के मुख्य सचिव को किया तलब

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को असम के डिटेंशन सेंटरों की स्थिति पर नाराजगी जताई। असम सरकार की ओर से मटिया ट्रांजिट कैंप में 270 विदेशियों को रखने का कारण न बताने पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताई। कोर्ट ने सरकार की ओर से दाखिल किए गए हलफनामे को दोषपूर्ण करार दिया। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति नोंगमईकापम कोटिश्वर सिंह की पीठ ने असम के मुख्य सचिव को अगली सुनवाई पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित रहने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि नौ दिसंबर को असम सरकार को छह हफ्ते का समय देते हुए हलफनामा दाखिल करने के निर्देश दिए थे। इसमें सरकार को बताना था कि -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका के नए विदेश मंत्री का आक्रमक अंदाज, कहा-

पाकिस्तान को मिटा देंगे... भारत अकेला नहीं

वाशिंगटन। अमेरिका से आई खबर पाकिस्तान की बर्बादी का सबूत सरीखा है। शपथ लेते नजर आए शख्स अमेरिका के नए विदेश मंत्री मार्को रूबियो हैं। शपथ लेते ही मार्को रूबियो ने अपना असली रंग दिखाना शुरू कर दिया। मार्को रूबियो शपथ लेते ही सबसे पहले भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करने पहुंच गए। ये अमेरिकी विदेश मंत्री की पहली -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तानी शिक्षिका से 46.88 लाख रुपए वसूलेगी योगी सरकार

बरेली। बरेली के फतेहगंज पश्चिमी विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय माधौपुर में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात रही पाकिस्तानी शिक्षिका शुमायला खान से बेसिक शिक्षा विभाग 46,88,352 की वसूली करेगा। खंड शिक्षा अधिकारी भानु शंकर गंगवार ने इस रकम के सत्यापन के लिए वित्त एवं लेखाधिकारी नीरज पाठक को रिपोर्ट भेज दी है। सत्यापन के बाद रिपोर्ट बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह को भेजी जाएगी, -शेष पृष्ठ दो पर

भारत को बाहर से नहीं बल्कि अंदर से खतरा है : फारूक

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि भारत को बाहर से नहीं बल्कि अंदर से खतरों का सामना करना पड़ रहा है और उन्होंने देश में इस प्रचार की आलोचना की कि हिंदू खतरे में हैं। पार्टी कार्यालय जम्मू में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि आज भी देश इसे आगे बढ़ाने के लिए हमसे बलिदान मांगता है। अगर हम ऐसा नहीं कर सके तो हम भारत को नहीं बचा पाएंगे। भारत को बाहर से नहीं बल्कि देश के अंदर से खतरा है। घर को हमेशा कोई अंदर वाला ही नुकसान -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप ने किया कनाडा के खिलाफ जंग का एलान! ट्रूडो ने दिया कड़ा जवाब, कहा-

हम युद्ध को तैयार... अमेरिका को चुकानी पड़ेगी भारी कीमत

वाशिंगटन। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको पर टैरिफ लगाने की धमकी दी है, जिसके बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने इसे लेकर कड़ा जवाब देते हुए कहा कि कनाडा ऊर्जा क्षेत्र में एक सुपरपावर है और उसके पास तेल और खनिज के ऐसे भंडार हैं जिनकी अमेरिका को जरूरत है। ट्रूडो ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर जरूरत पड़ी तो कनाडा तेजी से और मजबूत जवाबी कार्रवाई करेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण समारोह में यह वादा किया था कि वह अमेरिका और मेक्सिको पर 1 फरवरी से टैरिफ लागू करेंगे। उनका दावा है कि इससे अमेरिका को एक स्वर्ण युग मिलेगा और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को उबारने में मदद मिलेगी। इस धमकी के बाद, ट्रंप ने कनाडा और मेक्सिको पर भी टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिसके खिलाफ जस्टिन ट्रूडो ने विरोध जताया है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो और अल्बर्टा प्रांत के नेता दोनों का मानना है -शेष पृष्ठ दो पर

फिजी प्रधानमंत्री ने पीएम मोदी को बताया *दुनिया का बॉस*

सुवा। फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी लिगामामाडा राबुका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को *दुनिया का बॉस* करार देते हुए उनकी *सबका साथ, सबका विकास* योजना की तारीफ की और कहा कि इसे वैश्विक स्तर पर लागू किया जाना चाहिए। यह टिप्पणी राबुका ने फिजी में आयोजित एक बैठक में की, जहां राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू और इंडियन माइनॉरिटी फेडरेशन (आईएमएफ) के संस्थापक प्रोफेसर हिमानी सूद के साथ चर्चा हो रही थी। राबुका ने कहा कि पीएम मोदी का शासन मॉडल एक बेहतरीन तरीका है, जिसमें प्रत्येक नागरिक का विकास सुनिश्चित किया -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एससी ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण पर रोक बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक बढ़ा दी, जिसमें मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। यह परिसर कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के पास स्थित है, जो हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक महत्व का स्थल है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि वह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में किए गए सर्वेक्षण के खिलाफ ट्रस्ट शाही मस्जिद ईदगाह प्रबंधन समिति की याचिका पर सुनवाई एक अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में स्थगित कर देगी। सीजेआई ने कहा कि शीर्ष अदालत में अभी तीन मुद्दे लंबित हैं और वे हैं एक अंतर-न्यायालय अपील का मुद्दा (हिंदू वादियों द्वारा दायर मुकदमों के एकीकरण के खिलाफ), दूसरा अधिनियम (पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 को चुनौती) स्वयं है। 1 अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में सूचीबद्ध करें। पीठ ने कहा कि इस बीच, शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण पर रोक लगाने वाला इलाहाबाद उच्च न्यायालय का अंतरिम आदेश लागू रहेगा। शीर्ष अदालत ने पिछले साल 16 जनवरी को पहली बार उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगाई थी। उच्च न्यायालय ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर का न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी थी और इसकी निगरानी के लिए न्यायालय आयुक्त की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि परिसर में ऐसे संकेत हैं जो बताते हैं कि इस स्थान पर कभी मंदिर हुआ करता था। हिंदू पक्षकारों की ओर से पेश हुए अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने कहा कि मस्जिद समिति की अपील उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी और इस मामले में संबंधित आदेश निष्फल हो गए हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी याचिकाएं निष्फल हो गई हैं क्योंकि उच्च न्यायालय ने अपना आदेश बाद में सुनाया है। जैन ने उच्च न्यायालय के बाद के आदेश का हवाला दिया, जिसमें उसने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्षकारों की याचिका को खारिज कर दिया था और फैसला सुनाया था कि मस्जिद के धार्मिक चरित्र को निर्धारित करने की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय ने मुस्लिम पक्ष की इस दलील को खारिज कर दिया था कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर और उससे सटी मस्जिद के विवाद से संबंधित हिंदू वादियों द्वारा दायर मुकदमे, 1991 के उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम का उल्लंघन करते हैं और इसलिए वे विचारणीय नहीं हैं। 1991 का अधिनियम किसी भी धार्मिक स्थल के धार्मिक चरित्र को देश की आजादी के दिन से बदलने पर रोक लगाता है। इसने केवल राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को इसके दायरे से बाहर रखा।

मणिपुर पुलिस मेडल के लिए असम के डीजीपी ने जताया आभार

गुवाहाटी (हिंस)। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने मणिपुर पुलिस द्वारा पुलिस मेडल दिए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि असम पुलिस के लिए यह बहुत बड़ा सम्मान है कि इसे पूर्वोत्तर के सहयोगी राज्य सरकार द्वारा इसकी प्रशिक्षण क्षमताओं के लिए मान्यता दी गई है। प्रशिक्षण से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मियों को डीजीपी ने बधाई दी है। ज्ञात हो कि असम पुलिस ने मणिपुर पुलिस के 1946 रिक्रूट कांस्टेबल को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण दिया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 जनवरी 2024 से 23 दिसंबर 2024 तक लाचित बोरफुकन पुलिस अकादमी (एलबीपीए), देरगांव में आयोजित किया गया। इस उपलब्धि के लिए मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने असम पुलिस के डीजीपी जीपी सिंह, स्पेशल डीजीपी मुख्यालय हरमीत सिंह और सात अन्य अधिकारियों को पुलिस मेडल तथा प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार औपचारिक रूप से मंगलवार को इंफाल में मणिपुर राज्योत्सव समारोह के दौरान अखिलेश कुमार सिंह, आईजीपी लॉ एंड ऑर्डर, असम (तत्कालीन आईजीपी ट्रेनिंग एंड आर्म्ड पुलिस) ने प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य मणिपुर पुलिस के नए रिक्रूट कांस्टेबल को व्यावसायिक प्रशिक्षण और आधुनिक पुलिसिंग तकनीकों से अवगत कराना था। असम पुलिस के प्रशिक्षकों ने इन कांस्टेबल को कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और जनसुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण दिया। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि असम पुलिस का यह प्रयास दोनों राज्यों के बीच सहयोग और साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने असम पुलिस के अधिकारियों और प्रशिक्षकों के प्रयासों की सराहना की और कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से पुलिस बल की क्षमता और कुशलता में वृद्धि होगी।

ड्रग्स माफिया ने रुपहीहाट में पुलिस पर किया हमला

नगांव (हिंस)। ड्रग्स माफिया के एक समूह ने नगांव जिले के रुपीहाट में पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि ड्रग्स माफिया के पांच सदस्यीय गिरोह ने मंगलवार की रात पुलिस टीम पर उस समय हमला किया जब वे रुपहीहाट के भकतगांव खेल मैदान के नजदीक ड्रग्स के विरुद्ध कार्रवाई करने जा रहे थे। ड्रग्स माफिया के हमले में रूपहीहाट पुलिस स्टेशन के सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) चिन्मय वरुण कोंवर को चोटें आई हैं। पुलिस अधिकारी कोंवर को ड्रग्स माफिया के समूह द्वारा हमला कर उन्हें कार में ले जाने की भी कोशिश की गई। हालांकि, ड्रग्स माफिया पुलिस पर हमला करने के बाद मौके से भागने की कोशिश की। इस बीच पुलिस टीम ने बहादुरी से आक्रमणकारियों का मुकाबला करते हुए पुलिस अधिकारी को बचाने के साथ ही दो ड्रग्स माफिया को पकड़ लिया। जबकि, तीन अपराधी भागने में सफल हो गए। पुलिस पर हमले के बाद गिरफ्तार किए गए ड्रग्स माफियाओं की पहचान खलीलुर रहमान और रकीबुल हुसैन के रूप में की गई है। पुलिस ने हमलावर ड्रग्स गैंग के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखे हुए है। अभियान के दौरान पुलिस ने अपराधियों की एक बाइक (एएस-01बी-5143) को जब्त कर लिया है।

आईआईटी गुवाहाटी निदेशक ने किया एसईआईएल यात्रा का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। राष्ट्रीय एकात्मता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) द्वारा आयोजित अंतर-राज्यीय छात्र जीवन दर्शन (एसईआईएल) यात्रा 2025 का उद्घाटन आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक प्रो. देवेंद्र जलिहाल ने किया। यह कार्यक्रम बुधवार को गुवाहाटी के काहिकुची स्थित राज्य पंचायत और ग्रामीण विकास संस्थान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम से उत्तर पूर्व के 230 छात्रों को भारत के अन्य हिस्सों में यात्रा के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और राष्ट्रीय एकात्मता को मजबूत बनाने का अवसर मिलेगा। यह यात्रा 23 जनवरी से 12 फरवरी तक चलेगी, जिसके बाद छात्र 13 फरवरी को गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में समापन समारोह में भाग लेंगे।

महाकुंभ के सांस्कृतिक मंच पर असम की लोककला कठपुतली के जरिए हुआ रावण वध का मंचन

गुवाहाटी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे *महाकुंभ* मेला के सांस्कृतिक मंच पर पहली बार संगीत नाटक अकादमी से उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार विजेता विनीता देवी के निर्देशन में कठपुतली नृत्य के जरिए *रावण वध* का मंचन किया गया। इस प्रस्तुति में केंद्र सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के सेंटर फार कल्चरल एंड रिसर्च सेंटर ने सहयोग किया। भारत के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहलुओं में सबसे बड़े मेलों और उत्सवों में से एक *महाकुंभ* में लुप्तप्राय: लोक कला कठपुतली नृत्य को महत्व देना असम के लिए सौभाग्य की बात है। नाटक की रचना केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय से फैलोशिप प्राप्त सीमांत शर्मा ने किया। सीमांत शर्मा के लिखे संवादों ने भी दर्शकों के दिलों को छुआ है। नाटक का निर्देशन विनीता देवी ने किया। कठपुतलियों के माध्यम से इस नाटक को देश-विदेश से आए आध्यात्मिक गुरुओं, भक्तों, कलाकारों और विशिष्ट अतिथियों ने खूब सराहा। मंचन के दौरान कठपुतलियों का संचालन विनीता देवी, प्रणव ज्योति राभा, हार्दिक शर्मा, पलक कैरी, रकीबुल अहमद, करिस्तिता तालुकदार और सीमांत शर्मा ने किया।

चोरी के आरोप में तीन चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने चोरी मामले में शामिल तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र इलाके में चलाया गया अभियान के दौरान तीन चोरों को चोरी की सामग्री समेत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिजीत तालुकदार उर्फ जय (23), दीपांकर दास (20) और विकास दास (19) के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से बंगालबस्ती इलाके से चोरी गए दो इनवर्टर की बैटरी, दो घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के अलावा एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है।

KMB-42/SOPD/2024-25/Pt.-VI/564 *Date 22/01/2025*

NOTICE FOR TENDER

Sealed tender affixing court fee Rs. 8.25 (Rupees Eight and twenty five Paisa) only are invited from the up-to-date registered contractor of PWD (Roads) or firm or Registered Contractors under Kokrajhar Municipal Board up to 2:00 P.M on 03/02/2025 (Monday) for the following work under the grand of SOPD 2024-25 with the completion of work as per estimate, and same will be opened by the undersigned on the same date and hours. The tender papers will be issued to the contractor or authorized agent up to 12:00 Noon on 03/02/2025 (Monday). The details of NIT & Terms and Conditions may be seen in all working days in the office of the undersigned. The payment will be made if and when the fund is received from the concerned department.

Sl. No.	Name of work	Amount
1	Construction of main canal at Basic Training Centre, Kokrajhar.	Rs. 11,00,000.00

Sd/- Chairperson,
Kokrajhar Municipal Board,
Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2024-25/1344

पृष्ठ एक का शेष

असम के विकास...

प्रकाश डाला। इससे पहले, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेईटीआरओ) के कार्यकारी उपाध्यक्ष काजुया नाकाजो के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह ध्यान देने योग्य है कि जेईटीआरओ जापान और वैश्विक कंपनियों के बीच व्यापार को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसलिए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने आपसी विकास को सक्षम करने के लिए व्यापार, वाणिज्य और उद्योग में जापान और असम के बीच सहयोग बढ़ाने में जेईटीआरओ की विशेषज्ञता की मांग की। नाकाजो के साथ उनकी चर्चा व्यापार संबंधों को मजबूत करने और आपसी विकास का मार्ग प्रशस्त करने के लिए व्यापार, वाणिज्य और उद्योग में असम और जापान के बीच सहयोग को बढ़ावा देने में जेईटीआरओ की विशेषज्ञता की खोज पर केंद्रित थी। डॉ. शर्मा ने अपनी यात्रा के दौरान टोक्यो में जापान सरकार के अर्थव्यवस्था, व्यापार और उद्योग राज्य मंत्री कोगा युइचिरो सान से भी मुलाकात की और जापानी फर्मों को समर्पित एक बिजनेस पार्क स्थापित करने के लिए असम की तत्परता से अवगत कराया। बैठक के दौरान, उन्होंने मंत्री से तकनीकी इंटर्न प्रशिक्षण और निर्दिष्ट कौशल श्रमिकों के कार्यक्रम के लिए परीक्षण केंद्र स्थापित करने पर विचार करने का भी अनुरोध किया ताकि राज्य के युवाओं को जापान में अल्पकालिक कार्य अवसरों तक बेहतर पहुंच मिल सके। डॉ. शर्मा ने हिताची के उपाध्यक्ष हिरोहिदे हिराई के साथ भी एक सार्थक बैठक की और अक्षय ऊर्जा के असम के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर चर्चा की तथा बताया कि कैसे असम हरित ऊर्जा परियोजनाओं के लिए निवेश आकर्षित करने के लिए हिताची के साथ साझेदारी कर सकता है। उन्होंने हिताची के उपाध्यक्ष को एडवांटेज असम 2.0 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया तथा असम में अवसरों का पता लगाने का भी आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने रेनेसास ग्लोबल के उपाध्यक्ष चार्ल्स कावाशिमा से भी मुलाकात की। जगीरोड में बन रही सेमीकंडक्टर सुविधा को प्रस्तुत करते हुए डॉ. शर्मा ने कहा कि टाटा सेमीकंडक्टर सुविधा प्रतिदिन 48 मिलियन चिप्स का उत्पादन करेगी, जिससे असम चिप आपूर्ति के लिए वैश्विक केंद्र बन जाएगा। उन्होंने कावाशिमा से यह भी अनुरोध किया कि वे सुनिश्चित करें कि रेनेसास असम की सेमीकंडक्टर विकास कहानी में भागीदार बने। उन्होंने टोक्यो इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन के सीईओ के साथ भी बैठक की और सीईओ और अन्य पदाधिकारियों को एडवांटेज असम 2.0 के लिए अपना निमंत्रण दिया। एडवांटेज असम 2.0 के लिए अपने कार्यक्रम शुरू करने से पहले मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने एडोगावा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले, टोक्यो पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा का असमिया समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने उनके साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत की, खुशियां साझा कीं और उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

अफवाह ने ली ...

जाएगा। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री ने बताया कि हादसा दोपहर 3.30 से 4 बजे के बीच हुआ। आग लगने की अफवाह फैल गई थी। इसके बाद कुछ लोग ट्रेन से कूद गए। इसी दौरान सामने से बेंगलुरु एक्सप्रेस आ रही थी, जिसने 30 से 35 लोगों को कुचल दिया। कई लोग घायल हो गए हैं। कुछ की मौत भी हुई है। कुछ प्रत्यक्षदर्शियों ने ये भी दावा किया है कि सामने से आ रही बेंगलुरु एक्सप्रेस ने हॉर्न तक नहीं दिया। अगर हॉर्न दिया होता तो यात्री अलर्ट हो जाते। उधर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना में प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए की आर्थिक मदद और घायलों के मुफ्त इलाज की घोषणा की है। घटनास्थल पर रेलवे प्रशासन, जिला प्रशासन और ग्रामीण मिलकर राहत और बचाव काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस समय दावोस दौरे पर हैं। वहां से उन्होंने मीडिया को बताया कि जलगांव में हुआ रेल हादसा बहुत दुखदायक है। मैंने जिलाधिकारी से बात की है और मौके पर मंत्री गिरीश महाजन पहुंचे हैं। मौके पर रेलवे, जिला प्रशासन आपस में समन्वय रखकर राहत और बचाव कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष से दिए जाएंगे और घायलों का सरकारी खर्च पर इलाज किया जाएगा। जिले के अधिकारी भूषण अहिरे ने बताया कि बुधवार को करीब सवा पांच बजे लखनऊ से मुंबई आ रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग की अफवाह से 50 यात्री ट्रेन से कूद गए। उसी समय पुष्पक एक्सप्रेस से कूदे यात्री मुंबई से दिल्ली जा रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में अब तक 16 यात्रियों के शव बरामद किए गए हैं जबकि 40 घायल लोगों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना से इस रूट पर सेवा प्रभावित हो गई थी, लेकिन अब रेलवे सेवा पूर्ववत हो गई है। पुष्पक एक्सप्रेस को भी मुंबई की ओर रवाना कर दिया गया है। पुष्पक ट्रेन हादसे पर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है। उन्होंने कहा कि पुष्पक ट्रेन दुर्घटना अत्यंत दुखद और हृदयविदारक है। मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। हादसे में घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

मणिपुर से समर्थन...

नासिर के समर्थन वापस लेने की जानकारी दी। प्रदेश अध्यक्ष सिंह ने कहा कि राज्य के एकमात्र जदयू विधायक मोहम्मद अब्दुल नासिर अब विपक्ष में बैठेंगे। राज्यपाल भल्ला को भेजे पत्र में बीरेन सिंह ने कहा कि फरवरी-मार्च 2022 में हुए मणिपुर विधानसभा चुनाव में जदयू के छह उम्मीदवार जीते थे, लेकिन कुछ महीने बाद ही पांच विधायक भाजपा में शामिल हो गए। इन पांचों विधायकों के खिलाफ दल बदल के तहत स्पीकर के समक्ष मुकदमा लंबित है। मणिपुर के पूरे राजनीतिक घटनाक्रम पर जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मीडियाकर्मियों से कहा कि समर्थन वापसी की बात भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष बीरेन सिंह को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। मणिपुर में राजग सरकार को हमारा समर्थन जारी रहेगा। समर्थन वापसी पर मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई संवाद नहीं किया और न ही उन्हें विश्वास में लिया गया।

अरुणाचल विस चुनाव ...

बाहर निकलकर 2029 में होने वाले विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार करने के लिए प्रेरित करने को कहा है। मोयॉन्ग ने कहा कि मुख्यमंत्री ने साफ किया है कि आगामी चुनाव में मौजूदा मंत्रियों और विधायकों के जीवनसाथियों को टिकट नहीं मिलेगा। राज्य पार्टी प्रमुख ने कहा कि राज्य की महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में जिस तरह अपना लोहा मनवा रही हैं, उसी तरह वे राजनीति में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। उनके सामने राजनीतिक और सामाजिक बाधाएं नहीं आनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने राज्य में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए अपनी रणनीतियों के बारे में भी बताया। मोयॉन्ग ने कहा कि पार्टी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने में राज्य सरकार का समर्थन करेगी। साथ ही उन्होंने विकास योजनाओं के बारे में जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए जन-जन तक पहुंच के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति का समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पार्टी और राज्य सरकार के बीच उचित समन्वय होना चाहिए।

हिरासत में विदेशियों ...

ट्रांजिट कैंप में 270 विदेशी नागरिकों को हिरासत में रखने का कारण क्या था और उनके निर्वासन के लिए क्या कदम उठाए गए? पीठ ने कहा कि हलफनामे में विदेशी नागरिकों को हिरासत में रखने का कोई कारण नहीं बताया गया है। उनके निर्वासन के लिए उठाए गए कदमों का भी कोई जिक्र नहीं है। यह कोर्ट के आदेश का उल्लंघन है। हम मुख्य सचिव को निर्देश देते हैं कि वे वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश हों और आदेशों का अनुपालन न करने के लिए स्पष्टीकरण दें। कोर्ट में राज्य सरकार के वकील ने कहा कि लोगों को तभी हिरासत में लिया जाता है जब उन्हें विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित कर दिया जाता है। उन्होंने अवैध प्रवासियों के निर्वासन की व्यवस्था के बारे में बताया। इस पर कोर्ट ने सवाल किया कि निर्वासन प्रक्रिया शुरू किए बिना हिरासत क्यों जारी है? जब असम सरकार के वकील ने कहा कि हलफनामा गोपनीय है और इसे सीलबंद रखा जाना चाहिए तो कोर्ट ने सख्त नाराजगी जाहिर की। पीठ ने पूछा कि इससे साफ है कि राज्य सरकार अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं करना चाहती। हमें बताएं कि हलफनामा गोपनीय क्यों है? इस पर वकील ने कहा कि हलफनामे में विदेशियों के पते हैं और इन्हें मीडिया को दिया जा सकता है। इस पर कोर्ट ने कहा कि दायर हलफनामे को सीलबंद लिफाफे में रखा जाना चाहिए, क्योंकि इसकी विषय-वस्तु गोपनीय है। हम निर्देश दे रहे हैं कि इसे सीलबंद लिफाफे में रखा जाए, लेकिन प्रथम दृष्टया हम वकील से असहमत हैं कि इसकी विषय-वस्तु के बारे में कुछ गोपनीय है। सुप्रीम कोर्ट ने असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिए थे कि वह विदेशियों के लिए बने मटिया ट्रांजिट कैंप का औचक निरीक्षण करे और वहां की साफ-सफाई और भोजन की गुणवत्ता आदि की जांच करे। शीर्ष अदालत असम के डिटेंशन सेंटरों की स्थिति के बारे में एक मामले की सुनवाई कर रही थी। इन डिटेंशन सेंटरों में संदिग्ध नागरिकता वाले या न्यायाधिकरणों की ओर से विदेशी माने जाने वाले लोगों को हिरासत में रखा जाता है। साल 2024 की शुरुआत में पीठ ने गोलपारा जिले के मटिया केंद्र की स्थिति पर कड़ी आपत्ति जताई थी। 64 करोड़ रुपए की लागत से बना मटिया ट्रांजिट कैंप देश का सबसे बड़ा केंद्र है। जुलाई 2024 में मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की थी, कितनी दयनीय स्थिति है। पानी या साफ-सफाई की सुविधा भी नहीं है। भोजन और चिकित्सा सहायता के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है।

पाकिस्तान को मिटा...

आधिकारिक मुलाकात थी, जो उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री से की है। अमेरिकी विदेश मंत्री को एस जयशंकर से मिलता देख पाकिस्तानियों ने मार्को रूबियो के बारे में सर्च करना शुरू कर दिया। लेकिन इस सर्च के जो रिजल्ट आए उसने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए। मार्को रूबियो का इतिहास ये है कि वो कट्टर भारत समर्थक हैं और पाकिस्तान के धुर विरोधी। पिछले साल ही जुलाई में मार्को रूबियो ने भारत और अमेरिका के संबंधों को मजबूत करने के लिए अपनी संसद में बिल पेश किया था। इन्हीं मार्को रूबियो ने अमेरिकी संसद में खड़े होकर पाकिस्तान को बर्बाद करने की कसम खाई थी। रूबियो ने कहा था कि अमेरिका को पाकिस्तान की सारी मदद रोक देनी चाहिए। पाकिस्तान को सजा देने के लिए मार्को रूबियो अमेरिकी संसद में एक बिल भी ला चुके हैं। मार्को रूबियो का कहना है कि पाकिस्तान में बैठे कट्टर इस्लामिक लोग अमेरिका से नफरत करते हैं। मार्को रूबियो का मानना है कि ये अमेरिका की कमी है कि वो आतंक फैला रहे पाकिस्तान की गलतियों को नजरअंदाज कर रहा है। मार्को रूबियो ने कहा था कि पाकिस्तान में इसाईयों, हिंदुओं, अहमदियाओं और शिया मुसलमानों पर हमले हो रहे हैं। हमें ये बात समझनी होगी कि या तो कट्टरपंथी जितेंगे या हम। पाकिस्तान को खरी खोटी सुनाने वाले मार्को रूबियो ने कहा था कि हमें भारत को उतनी ही शक्ति और सम्मान देना होगा।

पाकिस्तानी शिक्षिका से ...

जिसके बाद वसूली की प्रक्रिया शुरू होगी। जानकारी के अनुसार, शुमायला खान ने फर्जी निवास प्रमाणपत्र के जरिए बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक अध्यापक की नौकरी प्राप्त की थी। वह वर्ष 2015 से माधौपुर के प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत थी। उसकी नागरिकता को लेकर संदेह जताया गया था, जिसके बाद मामले की जांच कराई गई। एसडीएम सदर रामपुर द्वारा कराई गई जांच में यह पुष्टि हुई कि शुमायला का निवास प्रमाणपत्र त्रुटिपूर्ण था और उसमें तथ्यों को छिपाया गया था। शुमायला खान का निवास प्रमाणपत्र पिछले साल निरस्त कर दिया गया था। विभाग ने उसे कई बार स्पष्टीकरण देने का अवसर दिया, लेकिन वह प्रमाणपत्र की वैधता सिद्ध नहीं कर सकी। इसके बाद 3 अक्तूबर 2024 को बेसिक शिक्षा अधिकारी संजय सिंह ने उसे निलंबित कर दिया था। अब उसकी सेवा समाप्त कर दी गई है और पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है। विभाग शुमायला से उसकी सेवा अवधि के दौरान दिए गए वेतन, भत्ते और बोनस की पूरी राशि वसूल करेगा। वसूली की रकम में वर्ष 2016-17 और 2020-21 में मिले बोनस की राशि भी शामिल है। वित्त एवं लेखाधिकारी नीरज पाठक के अनुसार, खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट का सत्यापन किया जा रहा है। वसूली की प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और उसकी तैनाती से बर्खास्तगी तक जारी वेतन व अन्य भत्तों की गणना कर मिलान किया जाएगा।

मणिपुर में दो ...

सिंह (38) के रूप में हुई है, जिसे मंत्रिपुखरी बाजार से गिरफ्तार किया गया। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि भारतीय सेना ने पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ कई सफल संयुक्त अभियानों में चूरचंदपुर सहित मणिपुर के चार जिलों के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों से हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की। मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि भारतीय सेना ने मणिपुर पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर कई सफल संयुक्त अभियानों में मणिपुर के थौबल, कांगपोकपी, चुरचंदपुर और तेंगनुपाल जिलों के पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों से 12 हथियार, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की। विज्ञप्ति के अनुसार, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस द्वारा 11 जनवरी को चुराचांदपुर जिले के मोंगजांग गांव और 13 जनवरी को कांगपोकपी जिले के फयेंग हिल, 14 जनवरी को कांगपोकपी जिले के कोटलेन गांव से 6 किमी उत्तर में नेपाली बस्ती, जीरो प्वाइंट – पी1 रेलवे साइट रोड, सलाम पातोंग गांव और थौबल जिले के वेइथो में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाकर कार्बाइन मशीन गन, सिंगल बोर बैरल राइफल, एके, पिस्तौल, ग्रेनेड, गोला-बारूद और युद्ध सामग्री बरामद की गई। विज्ञप्ति में कहा गया है कि संयुक्त अभियान में बरामद हथियार और अन्य सामान मणिपुर पुलिस को सौंप दिए गए हैं। मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने पर विचार करने का निर्देश दिए जाने के बाद 3 मई, 2023 को अखिल आदिवासी छात्र संघ मणिपुर (एटूएसयूएम) की एक रैली के बाद मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क उठी। इससे पहले 16 जनवरी को असम राइफल्स ने चुराचांदपुर जिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया था और उनके पास से लगभग 62 करोड़ रुपए की प्रतिबंधित याबा टैबलेट और ब्राउन शुगर का बड़ा जखीरा बरामद किया था। पकड़े गए लोगों की पहचान चिंगसेन (उम्र 36 वर्ष) और एल पौसुआनलाल सिमटे (उम्र 38 वर्ष) के रूप में हुई है।

भारत को बाहर ...

पहुंचाता है, कोई बाहरी नहीं। अगर हमें इस घर को मजबूत करना है तो हमें खुद को मजबूत करना होगा। अब्दुल्ला ने कहा कि हमें लोगों के बीच जाकर उनकी परेशानियों को जानना होगा और उनका समाधान ढूंढना होगा। यह उनका प्रचार है कि हिंदू खतरे में हैं। मैं उनसे पूछता हूं कि यह कैसे संभव है जबकि पूरी आबादी में 80 प्रतिशत हिंदू हैं। इस तरह का प्रचार सिर्फ लोगों में डर पैदा करने के लिए किया जाता है। अगर आपको ऐसे दुष्प्रचार का समाधान ढूंढना है तो यहां की जनता के बीच जाना होगा। उन्होंने कहा कि 1927 में धारा 370 न सिर्फ कश्मीर के लोगों के लिए, बल्कि डोगरा लोगों की सुरक्षा के लिए भी लाई गई थी। आज यहां रोजगार के अवसर बाहर से आने वाले लोगों के लिए जा रहे हैं।

हम युद्ध को ...

कि कनाडा 25 प्रतिशत टैरिफ से बच सकता है। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा एक ऊर्जा महाशक्ति है और हमारे पास तेल और महत्वपूर्ण खनिज हैं, जिनकी अमेरिका को जरूरत है। उनका यह बयान सीधे तौर पर ट्रंप के अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के वादे पर था। ट्रूडो ने यह भी कहा कि अगर टैरिफ लागू हुए तो कनाडा पहले से भी तेज और मजबूत प्रतिक्रिया देगा। ओंटारियो के प्रमुख डौग फोर्ड ने कहा कि टैरिफ लागू होने की स्थिति में कनाडा पूरी तरह से आर्थिक युद्ध के लिए तैयार है।

फिजी प्रधानमंत्री ने ...

जाता है। उनका मानना है कि इस मॉडल को दुनिया भर में लागू किया जाना चाहिए, ताकि समृद्धि और समृद्ध समाज की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकें। राबुका ने पीएम मोदी के नेतृत्व को *दुनिया के लिए आदर्श* बताते हुए कहा कि उनका दृष्टिकोण दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। सबका साथ, सबका विकास का यह मंत्र एक वैश्विक शासन मॉडल है जो यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी समाज या व्यक्ति पीछे न छूटे। उन्होंने कहा कि अगर हम सभी एक साथ काम करें और समान रूप से समृद्धि की दिशा में प्रयास करें, तो पूरी दुनिया को फायदा होगा। प्रधानमंत्री मोदी और राबुका की मुलाकात 2023 में पीएम मोदी की फिजी यात्रा के दौरान हुई थी। उस यात्रा के दौरान राबुका ने पीएम मोदी को फिजी के सर्वोच्च सम्मान कंपेनियन ऑफ द ऑर्डर ऑफ फिजी (सीएफ) से सम्मानित किया था। राबुका ने यह भी कहा कि मोदी की प्रतिबद्धता शांति की दिशा में अत्यधिक प्रेरणादायक है, और उनका विश्वास है कि भारत के लोग उनके नेतृत्व में एकजुट हैं। राबुका ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने भारत में हिंदू धर्म के प्रति लोगों के विश्वास को मजबूती दी है, और यह विश्वास एक बड़ी ताकत बन चुका है।

जल आपूर्ति परिसर...

बताया कि उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। मृतक की पहचान बिहार के संतोष शर्मा के रूप में हुई है और वह एसएसबी की जीडी 37 बटालियन का हिस्सा था। पुलिस ने बताया कि कांस्टेबल के शव को मंगलदै सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, हालांकि उसकी कथित आत्महत्या का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने कहा कि वह घर से लौटा था और छुट्टी लेकर सोमवार को ड्यूटी पर आया था। आगे की जांच जारी है।

कर्नाटक में दो ...

सिंधनूर ट्रैफिक पुलिस स्टेशन ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। यह वाहन मंत्रालय संस्कृत पाठशाला के छात्रों को ले जा रहा था जो नरहरि मंदिर में पूजा करने के लिए हम्पी की तीर्थयात्रा पर थे। पुलिस ने बताया कि हादसा सिंधनूर में अरागिनमारा कैंप के पास हुआ। मृत छात्रों की पहचान आर्यवंदन (18), सुचींद्र (22) और अभिलाष (20) के रूप में हुई है। इस हादसे में ड्राइवर शिवा (24) की भी जान चली गई। 10 घायल लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं बताया जा रहा है यल्लापुरा एक ट्रक में सुबह 50 मीटर गहरी घाटी में गिर गया।

चिबिटा-बिछिया में होगा भगवान विष्णु के 12 अवतार का महायज्ञ

कछार (हिंस)। कछार जिले के चिबिटा-बिछिया गांव में आगामी 3 से 7 फरवरी तक भगवान विष्णु के 12 अवतारों का वैदिक महायज्ञ आयोजित किया जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन में 121 देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा, 16 प्रहर हरिनाम कीर्तन, श्रीकृष्ण लीला और रासलीला सहित कई भव्य धार्मिक अनुष्ठान होंगे। समारोह के मुख्य संचालक, हीरालाल कुमार ने बताया कि उन्हें स्वप्न में इस महायज्ञ की प्रेरणा मिली। स्वप्न को भगवान का आदेश मानकर उन्होंने गांववासियों के साथ चर्चा की। सभी ग्रामवासियों ने इसे भगवान की इच्छा मानकर महायज्ञ की तैयारी शुरू कर दी। आयोजन के लिए एक विशेष समिति का गठन किया गया है, जिसमें अध्यक्ष शंकु देव, सचिव बिट्टू राय, सह सचिव बिट्टू नमशूद्र, सह संचालक श्यामलेंदु राय और हीरालाल कुमार मुख्य संचालक की भूमिका निभा रहे हैं। आयोजन के लिए मूर्तिकार अक्षय पाल 121 देवताओं की भव्य मूर्तियां तैयार कर रहे हैं, जिन पर करीब 3 लाख रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। स्थानीय निवासी गौतम कुमार ने बताया कि हम सभी ग्रामवासी हीरालाल के संकल्प के साथ हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि हम भगवान के इस आदेश को पूरा करने का हिस्सा बन रहे हैं। ग्रामवासी मिंटू दास ने कहा कि हमने अपने दैनिक कार्यों को छोड़कर महायज्ञ को सफल बनाने में अपनी पूरी शक्ति लगा दी है। यह भगवान की कृपा है कि यह आयोजन निश्चित रूप से सफल होगा। रतनपुर के वरिष्ठ समाजसेवी गंगा चरण बांसफोर ने कहा कि हीरालाल ने बहुत कठिन कार्य का संकल्प लिया है, हम सभी ग्रामवासी मिलजुल कर इसे पूरा करेंगे। पुरोहित दीपक उपाध्याय के मार्गदर्शन में यह आयोजन धार्मिकता और भक्ति का नया अध्याय रचने को तैयार है।

गौतम भुइयां के तबादले के विरोध में जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारियों का असहयोग आंदोलन

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार की नीतियों के विरुद्ध जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी के अंतर जिला तबादले के विरोध में बुधवार को गुवाहाटी (मेट्रो) जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारियों ने असहयोग आंदोलन शुरू किया। इस आंदोलन का आयोजन सदौ असम जिला प्रशासन कर्मचारी संघ की कामरूप (मट्रो) जिला समिति, गुवाहाटी द्वारा किया गया। प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने माजुली जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी गौतम भुइयां का जोरहाट तबादला किए जाने को अन्यायपूर्ण कदम बताते हुए सरकार से तुरंत निर्णय को वापस लेने की मांग की। इस मांग को लेकर गुवाहाटी (मेट्रो) जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी आज कार्यालय के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठे। कर्मचारी परिषद के महासचिव जयंत भंडार कायस्थ ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि असम सरकार द्वारा निर्धारित सेवा निति के अनुसार जिला आयुक्त कार्यालय के कर्मचारियों का स्थानांतरण अन्य जिलों में नहीं हो सकता है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से गौतम भुइयां का तबादला सरकार द्वारा निर्धारित सेवा नीति के विरुद्ध है। वहीं, उन्होंने यह भी कहा कि असम सरकार की नीति के अनुसार कर्मचारी परिषद के पदाधिकारी का तबादला तब तक नहीं किया जा सकता है, जब तक कि कर्मचारी परिषद द्वारा उक्त पदाधिकारी की जगह दूसरे की नियुक्ति नहीं हो जाती है। इस संदर्भ में उन्होंने सरकार द्वारा समय-समय पर जारी अधिसूचना का हवाला दिया, जिसमें इन बातों का स्पष्ट उल्लेख है। बावजूद इसके गौतम भुइयां का दूसरे जिले में तबादला किया जाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि इस तबादले को वापस नहीं लिया जाता है तो राज्य भर में इसको लेकर जिला प्रशासन कर्मचारी संस्था द्वारा असहयोग आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तबादले को वापस लेने के लिए संबंधित पदाधिकारी को लिखा गया है।

भाजपा के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष ने की मीडिया विभाग की बैठक

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) असम प्रदेश के नवनिर्वाचित अध्यक्ष और मंगलदै-उदालगुड़ी लोकसभा क्षेत्र के सांसद दिलीप सैकिया ने प्रदेश अध्यक्ष का कार्यभार संभालने के बाद पहली बार पार्टी के प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों के साथ आज औपचारिक बैठक की। बैठक में प्रेस विभाग की कार्यशैली और जनसंपर्क की नई रणनीतियों पर चर्चा की गई। बैठक में यह विचार-विमर्श किया गया कि मीडिया के माध्यम से पार्टी के दृष्टिकोण और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को कैसे तेज और प्रभावी तरीके से जनता तक पहुंचाया जा सकता है। प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों ने अपनी विशेषज्ञता और अनुभव साझा किए, जिससे पार्टी की संचार क्षमता को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि पार्टी की विचारधारा, सरकार की विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कदमों को प्रभावी ढंग से प्रचारित करने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश संगठनात्मक महासचिव जी रविंद्र राजू, प्रदेश प्रवक्ता मनोज बरुवा, मीडिया विभाग के संयोजक देवान ध्रुव ज्योति मरल, विधायक दिगंत कलिता और रूपम शर्मा सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा दिवस पर रंगिया में भव्य कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (निसं)। आयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा व भव्य मंदिर स्थापन के प्रथम वार्षिक दिवस पर रंगिया में व्यापक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। तिनाली मिल रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में स्थानिय विधायक भवेष कलिता द्वारा रंगिया पौरसभा अध्यक्ष अमरेन्द्र लहकर व अनगिणत भक्तजनों की उपस्थिति में द्वीप प्रज्ज्वलन व पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद असंख्य भक्तों ने बीच मार्ग पर लगभग बीस हजार दीपक प्रज्वलित किया। दूसरी ओर अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन रंगिया शाखा की कार्यकर्ताओ ने स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण द्वीप प्रज्ज्वलन किया। वही विभिन्न मंदिर प्रांगणो में भी पूजा अर्चना, भोग वितरण कर समाज, राज्य व राष्ट्र में सुख, शांति व समृद्धि कायम रखने के लिए आराधना की गई।

गांजा समेत तीन तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने अलग-अलग अभियान के दौरान भारी मात्रा में गांजा समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गोरचुक पुलिस द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर चलाया गए अभियान के दौरान 4.972 ग्राम गांजा समेत दो तस्करों को थाना क्षेत्र के इंटर स्टेट बस टर्मिनल के करीब बाथोपुरी इलाके से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान धनजीत दास (23) और प्रबन दास (24) के रूप में की गई है।

असम में सार्वजनिक गोहत्या के मामले में छह गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में एक पिकनिक के दौरान सार्वजनिक स्थल पर गोहत्या का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस घटना ने विशेष रूप से हिंदू समुदायों में आक्रोश पैदा किया है। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने इसकी पुष्टि की है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सार्वजनिक स्थल पर गोहत्या को दिखाया गया, जिससे उकसावे के आरोप लगे। डीजीपी सिंह ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि सार्वजनिक स्थल पर गोहत्या के

वायरल वीडियो के संदर्भ में वीडियो में दिखाए गए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, और गुवाहाटी पुलिस द्वारा कानूनन कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान साहिल खान, हाफिजुर इस्लाम, रकीबुल हुसैन, जाहिदुल इस्लाम, और एजाज खान के रूप में हुई है। ये सभी कामरूप जिले के छायगांव के असलापाड़ा के निवासी हैं। उन्हें पूछताछ के लिए हातीगांव थाने ले जाया जा रहा है। यह घटना असम पशु संरक्षण अधिनियम, 2021 पर चर्चा को फिर से प्रबल कर रही है। इस कानून का उद्देश्य अवैध गोहत्या और व्यापार पर रोक लगाना और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखना है। वायरल वीडियो पर सोशल मीडिया पर लोगों ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कई लोगों ने इसे धार्मिक भावनाओं के प्रति असंवेदनशीलता और सांस्कृतिक मूल्यों को ठेस पहुंचाने का प्रयास बताया। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और राज्य में शांति और सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया। जांच जारी है और यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि सोशल मीडिया युग में संवेदनशील मुद्दों को संभालना कितना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कानून का पालन सुनिश्चित करने और सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए असम पुलिस की तत्परता प्रशंसा योग्य है।

गजराज कोर ने आपदा रक्षक अभ्यास कर बाढ़ राहत तैयारियों को दिखाया

गुवाहाटी (हिंस)। सेना के गजराज कोर ने एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और कामरूप के जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के साथ मिलकर 20 से 22 जनवरी तक *अभ्यास आपदा रक्षक* का आयोजन किया। यह तीन दिन का बाढ़ राहत अभ्यास था, जिसमें बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने के लिए तैयारियों और एजेंसियों के बीच तालमेल को मजबूत करने पर जोर दिया गया। इस अभ्यास में बाढ़ के दौरान बचाव कार्य, राहत सामग्री का वितरण, मेडिकल सहायता और बाढ़ प्रबंधन के नए तरीकों को शामिल किया गया। मॉक ड्रिल के जरिए वास्तविक परिस्थितियों का अनुकरण किया गया, जिसमें भारतीय सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और डीडीएमए की टीमों ने बेहतरीन समन्वय और कुशलता का प्रदर्शन किया। गजराज कोर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह अभ्यास न केवल हमारी तैयारियों को मजबूत करता है, बल्कि आपदा प्रबंधन में एकजुटता की जरूरत को भी रेखांकित करता है। यह हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हम आपदा के समय लोगों की जान और संपत्ति की रक्षा करने के लिए हमेशा तैयार हैं। इस अभ्यास का मकसद स्थानीय लोगों में यह विश्वास पैदा करना भी था कि बाढ़ जैसी आपदाओं के समय राहत कार्य तेज और प्रभावी ढंग से किए जाएंगे। कामरूप के निवासियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभ्यास से उन्हें सुरक्षा का अहसास होता है।

हूलॉक गिब्बन बंदरों के संरक्षण से जुड़े दीपलव को दिल्ली से गणतंत्र दिवस के लिए विशेष निमंत्रण

तिनसुकिया (हिंस)। देश के गणतंत्र दिवस परेड समारोह में अतिथि के रूप में हिस्सा लेने के लिए तिनसुकिया के एक युवा को केंद्र सरकार से विशेष निमंत्रण मिला है। दीपलव सुतिया हूलॉक गिब्बन बंदरों के संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण जागरूकता से जुड़े हैं। दीपलव को एक समय हूलॉक गिब्बन बंदरों के संरक्षण के कार्य को लोगों से काफी आलोचना मिलती थी। लोग जब दीपलव से मिलते थे तो पूछते थे कि उन्होंने कितने बंदरों की बिक्री की। लोग अक्सर उनका अपमान, मजाक और उपहास करते थे। लेकिन उन्होंने हूलॉक गिब्बन बंदरों का संरक्षण कार्य जारी रखा। दीपलव की मेहनत अंततः रंग लाई। प्रधानमंत्री द्वारा गणतंत्र दिवस परेड समारोह में दीपलव को आमंत्रित करने की खबर ने बारेकुरी के लोगों के साथ-साथ पूरे तिनसुकिया को गौरवान्वित किया है। सरकारी विभागीय अधिकारियों ने दीपलव सुतिया एवं उनकी पत्नी को हवाई यात्रा का टिकट भेजा है। दीपलव 25 जनवरी को डिब्रूगढ़ मोहनबाड़ी हवाई अड्डे से दिल्ली के लिए रवाना होंगे और 29 जनवरी को तिनसुकिया लौटेंगे। दीपलव सुतिया ने बताया कि वह गणतंत्र दिवस के केंद्रीय समारोह का आनंद लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक इंटरएक्टिव सत्र में भाग लेने के लिए भी समय निर्धारित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने पर वे पर्यटन के क्षेत्र में बारेकुरी को आगे बढ़ाने के लिए कुछ योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे। उल्लेखनीय है कि तिनसुकिया जिले के बारेकुरी इलाके में इंसानों के सह-अस्तित्व में रहने वाले हूलॉक गिब्बन बंदरों के संरक्षण और सुरक्षा के लिए दीपलव सुतिया वर्ष 2002 यानी अपने स्कूली जीवन से ही लगातार प्रयास कर रहे हैं।

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने चिरांग परेड ग्राउंड में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया

विकसित भारत समाचार

चिरांग। शांति और एकता के मूल्यों को समर्पित महात्मा गांधी की प्रतिमा का आधिकारिक रूप से अनावरण बुधवार को बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने काजलगांव परेड ग्राउंड के सामने किया। यह प्रतिमा एक बड़े सौंदर्यीकरण परियोजना का हिस्सा है, जो जिले के केंद्रीय परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिमा की स्थापना क्षेत्र के सौंदर्य और बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा थी। स्थायी संरचना की आवश्यकता को समझते हुए, शहरी विकास विभाग ने जिला प्रशासन के साथ मिलकर एक स्थायी स्मारक बनाने की परियोजना की अगुआई की, जो गांधीवादी मूल्यों की एक किरण के रूप में काम करेगा। समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिनमें ईएम रंजीत बसुमतारी, ईएम सैकोंग बसुमतारी, ईएम विल्सन हसदा, ईएम सजल कुमार सिंघा, विधायक सिदली निर्मल ब्रह्मा, डीसी चिरांग जतिन बोरा, सीएचडी शहरी विकास लंकेश्वर ओवरी और सभी विभागाध्यक्ष शामिल थे। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम के महत्व और परियोजना के पीछे सामूहिक प्रयास को उजागर किया।

चेंगा के माजरचर में पुलिस का चला नशा विरोधी अभियान, तीन गिरफ्तार

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के आलोपतीचर पुलिस स्टेशन के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों का एक समूह लंबे समय से ड्रग्स और नशीले पदार्थों का व्यापार चला रहा है, आलोपतीचर पुलिस ने कल रात ड्रग्स के खिलाफ अभियान चलाया। अभियान में तीन कुख्यात ड्रग पेडलर्स को गिरफ्तार किया गया और बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित ड्रग्स जब्त किए गए। यह पता चला है कि आलोपतीचर पुलिस स्टेशन के प्रभारी देबाशीष कश्यप के नेतृत्व में माजरचर गांव के रेजाउल करीम तालुकदार उर्फ मुशर्रफ हुसैन के घर पर छापा मारा गया। इस ऑपरेशन में तीनों तस्करों महबूब आलम भुइयां (22), अनवर हुसैन (22) और छमेद आली (37) को गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन मुख्य आरोपी और घर में रहने वाले रेजाउल करीम तालुकदार उर्फ मुशर्रफ हुसैन (35) ने खिड़की तोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने तीनों नशा तस्करों के पास से 50.7 ग्राम मादक पदार्थ सहित

कुछ नकदी जब्त की है। पुलिस ने कहा कि जब्त की गई दवाएं ब्राउन शुगर हैं और बाजार मूल्य लगभग कई लाख रुपए होने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि पुलिस ने समय-समय पर इस तरह के नशे के कारोबार में शामिल दो लोगों को छापेमारी में गिरफ्तार किया है। स्थानीय लोगों ने पुलिस प्रशासन से ग्रेटर चर क्षेत्र में नशे के कारोबार को जल्द से जल्द पूरी तरह बंद करने की मांग की है।

विश्वनाथ में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर आरएसएस ने किया भारत माता का पूजन कार्यक्रम

विश्वनाथ (विभास)। भारतीय संस्कृति और उसके सभ्यतागत मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देना, राष्ट्रवाद को *मजबूत* करने के लिए तथा हिंदुत्व की विचारधारा को बनाएं रखने में लगे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वनाथ जिला ने आज अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में जिले के 15 स्थानों में भारत माता पूजन कार्यक्रम सोल्लास के साथ मनाया गया। इसकी जानकारी देते हुए जिले के अधिकारी डॉ. सरजीत दास ने कहा जिले के जामुगुड़ी, सोतिया, विश्वनाथ नगर, बाघमारा, घिलाधारी, सलाइकाठी व बालीचांग, दिरिंग, ढोली, विश्वनाथ रेलवे स्टेशन, नाजबर, हेलेम, बरगांग कुहियारबाड़ी, ब्रह्माजान, और गहपुर स्थानों में धूमधाम से श्रीराम मंदिर के प्रतिष्ठा दिवस पर भारत पूजन

का रखा, जिसमें महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में बौद्धिक व्याख्यान के रूप में अभीजीत चौधरी, कार्तिक गढ़, डॉ. सरजीत दास, अपूर्व कुमार दास, पकंज हाजरिका, मनीष शर्मा, अनिल बरुवा, दीनकांत दास, संजीव कुमार दास आदि जिला पदाधिकारी मौजूद थे। इधर विश्वनाथ चारिआलि शहर के आमबाड़ी के राष्ट्रीय विद्यालय प्रांगण में जिले के प्रचारक कार्तिक गढ़, बौध्दिक के रूप में डॉ. सरजीत दास और असंख्य स्वयंसेवक उपस्थिति में भारत माता पूजन कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलन से शुभारंभ किया गया। इसके बाद स्वयंसेवक छात्र शिवा बासुवा के संचालन में जिले प्रचारक कार्तिक गढ़ ने गीत, स्वयंसेवक सुदीप्त दे ने अमृत वचन का प्रस्तुति दिया। बौद्धिक के रूप में डॉ. सरजीत दास ने सभी सनातन धर्मी को श्रीराम मंदिर प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ की शुभकामनाएं दी। उन्होंने भारतीय संस्कृति व विरासत और राष्ट्रवाद को मजबूत रखने के साथ संघ की विचारधारा पर प्रकाश डाले। साथ ही नागरिक की कर्त्तव्य के ऊपर सारगर्भित व्याख्यान दी। कल्याण मंत्र के साथ जयश्री राम और भारत माता की जयध्वनि से कार्यक्रम समापन हुआ।

गुवाहाटी में खुला पूर्वोत्तर का पहला सेंचुरी एरिना एक्सप्रेस

गुवाहाटी। प्लाईवुड और डेकोरेटिव लैमिनेट्स की भारत की अग्रणी निर्माता कंपनी सेंचुरी प्लाई ने अपने प्रतिष्ठित चैनल पार्टनर साधना प्लाईवुड एंड लैमिनेट्स के साथ पूर्वोत्तर का पहला सेंचुरी एरिना एक्सप्रेस का शुभारंभ किया। अठगांव के धानुका कॉम्प्लेक्स के बी ब्लॉक स्थित सेंचुरी एरिना एक्सप्रेस के उद्घाटन के मौके पर जनरल सेल्स मैनेजर और जोनल हेड-ईस्ट जोन (लैमिनेट्स और रिकन विनियर) जयजयंत भट्टाचार्य, साधना प्लाईवुड एंड लैमिनेट्स के सुरेश हरलालका, पवन हरलालका, बिजय

हरलालका, मेहुल हरलालका, मयंक हरलालका सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस मौके पर श्री भट्टाचार्य ने कहा कि यह सेंचुरी एरिना एक्सप्रेस हमारी 21 साल की साझेदारी को दर्शाता है, जो विश्वास और आपसी विकास पर आधारित एक रिश्ता है। इस मौके पर श्री हरलालका ने कहा कि सेंचुरी एरिना एक्सप्रेस आठगांव जैसे एक प्रमुख स्थान पर 700 वर्ग फीट में फैला हुआ है। स्टोर में फुल शीट डिस्प्ले (8×4) में 550 सावधानीपूर्वक क्यूरेट किए गए सेंचुरी लैमिनेट्स डिजाइन प्रदर्शित किए गए हैं, जो आर्किटेक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनरों और ग्राहकों को विकल्पों की एक बहुमुखी रेंज प्रदान करते हैं। सेंचुरी एरिना एक्सप्रेस सभी को अपने प्रेरणादायक शोकेस को देखने के लिए सभी को आमंत्रित करता है, जो भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र में लैमिनेट डिजाइन में एक नया बेंचमार्क स्थापित करता है।

No: KDB/BTC/6th Finance/NIIT-38/2024-25/ *Dated: 22/01/2025*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders affixing a non-refundable Court Fee Stamp of Rs. 8.25 (Rupees Eight &Twenty-Five Paisa) only with a validity period of 180 (One Hundred Eighty) days, which will subsequently to be converted and drawn up in the APWD's printed F-2 forms are invited from the registered contractors of class-II and class-I (A. B & C) category of Assam PWD (Roads & Building) and BTC, according to their eligibility for submitting tenders for the following works under 6th Finance Commission Fund for the year 2024-25. The Tenders will be received by the undersigned up to 2.00 P.M. on 11.02.2025 and will be opened on the same date & place at 2.30 P.M.

Sl. No	Name of Work	Estimated Value	Earnest Money	Cost of Tender paper	Time of Completion
1	Construction of Mathuri Bundh near Amar Brahma paddy field at Bhumraguri.	12,00,000.00	12000.00 (1%for ST, SC& OBC)& Rs. 24000/-(2% for General)	360/-	3 Months
2	Construction of Bombraguri Dambrijhora bund (bandw) with Jio Bag.	18,00,000.00	18000.00 (1%for ST, SC&OBC)& Rs.36000/- (2% for General)	540/-	3 Months

Details NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agent from 24.01.2025 to 11.02.2025 in the office of the undersigned on payment of cost of Tender paper in the form of demand draft Fixed deposit Term deposit from an\ Nationalized Bank, duly pledged in favour of Principal Secretary, BTC, Kokrajhar, payable at Kokrajhar.

IPR(BTC)/C/2024-25/1341

Sd/-Block Development Officer
Kokrajhar Development Block, Titaguri

संपादकीय

बिना शर्तों के पर्यटन खतरे

धर्मशाला और कुल्लू की पहाडियों पर पैराग्लाइडिंग के मुकदमे खड़े हो गए, जब दो लोग आसमान में उडने का रोमांच सीने में दबाए सीधे मौत के कुएं में गिर गए। यह रोमांच की आत्महत्या क्यों न मानी जाए, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में कई पर्यटक व पायलट पैराग्लाइडिंग की ऊंचाई से फिसल कर जान गंवा चुके हैं। रोमांच की राह पर हिमाचल पर्यटन की खूबियां जिस तरह से प्रचारित हो रही हैं, उससे सुरक्षा, बचाव व राहत की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। साहसिक खेलों में हिमाचल का होना दरअसल पर्यटन को नए आयाम पर ले जाना है, लेकिन ऐसे दोहन की शर्तें भी कबूल करनी होंगी। हम हर दिन देखते हैं कि किसी नई पहाड़ी पर पैराग्लाइडिंग हो रही है। अभी-अभी सरकाघाट के आकाश से छतरियां उतरी हैं, तो यह खूबसूरत नजारा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक पूरी व्यवस्था का अवतरण होना चाहिए। बेशक हिमाचल के हर हिस्से में यह खूबी है कि वहां पैराग्लाइडिंग, जल क्रीड़ाएं व ट्रैकिंग जैसे जोखिम उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा आधुनिक साहसिक खेलों के उपकरण हिमाचल के निजी क्षेत्र को नित नए प्रयोग करने को प्रेरित कर रहे हैं। इनमें से कुछ साहसिक गतिविधियां पर्वतारोहण संस्थान, जबकि अन्य पर्यटन विभाग के अधीन चल रही हैं। पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग जैसे खेल पर्वतारोहण संस्थान के तहत चलने चाहिएं। भले ही साहसिक खेल पर्यटन का आकर्षण हैं, लेकिन इससे जुड़े दिशा-निर्देश, प्रशिक्षण व निरीक्षण सीधे-सीधे पर्वतारोहण संस्थान की दक्षता-विशेषता और विभागीय कसौटियों के तहत ही पूरे हो सकते हैं। ऐसे में बीड़ में स्थापित हुए एशिया के पहले पैराग्लाइडिंग स्कूल को तुरंत प्रभाव से पर्वतारोहण संस्थान के अधीन कर देना चाहिए। पर्यटन में साहसिक गतिविधियों का संचालन व आयोजन भले ही सैलानियों का मनोरंजन है, लेकिन इसके साथ जुड़े निरीक्षण-परीक्षण और मानदंडों का एहसास केवल पर्वतारोहण जैसे संस्थान के अनुभव व जिम्मेदारी से ही संभव होगा। बहुत पहले जब पर्वतारोहण संस्थान अस्तित्व में आया, तो इसके तहत प्रदेश में साहसिक अभियानों को दिशा मिली और पहाड़ पर चढ़ता हर कदम अनुशासित हुआ, लेकिन अब यह भी सिमट कर रह गया है। हालांकि इस दौरान ट्रैकिंग व जलक्रीड़ाओं के साथ-साथ पैराग्लाइडिंग जैसे खेल तीव्र गति से चर्चित हुए हैं। हिमाचल में पहले बर्फबारी का आनंद बागबान व किसान उठाता था, फिर स्कीईंग होने लगी और अब अटल टनल समेत कई ट्रैक चर्चाओं में आ गए हैं। सिरमौर की चूड़धार, शिकारी देवी की पहाडियां और धौलाधार के ट्रैकिंग संदर्भ अब बर्फबारी के बीच रोमांच के खतरे पैदा कर रहे हैं। ऐसे में पर्यटन को करीब से अनुभव करने की ख्वाहिश और हर बार कुछ नया करने का साहस खतरे मोल ले रहा है। यही खतरे पैराग्लाइडिंग के नाम पर बिना शर्तों के बिक रहे हैं। पर्यटन में जोखिम उठाने का साहस एक सीमा तक सही है, लेकिन इसके आगे अगर छूट मिलेगी तो हर साहसिक खेल मौत का कुआं बन जाएगा। बेशक विश्व की सबसे बेहतरीन पैराग्लाइडिंग साइट बीड़ बीलिंग हिमाचल में है और इसके कारण पर्यटन का ताज पहने यह क्षेत्र न्यू डेस्टिनेशन के नाम से विख्यात हो गया, लेकिन प्रोफेशनल खेल और पर्यटन के मनोरंजन में अंतर है। हमें दोनों परिस्थितियों को ध्यान में रखकर पहाडियां विकसित करनी चाहिएं। टेकऑफ प्वाइंट का ढांचागत विकास और वहां आधारभूत सुविधाएं हमेशा उपलब्ध तथा बचाव कार्यों की देखरेख का ढांचा भी विकसित करना होगा। टेकऑफ प्वाइंट पर मैट जैसे प्रबंधन भी अगर मुकम्मल न हों और लैंडिंग साइट पर आवश्यक बंदोबस्त न हों, तो खतरे बिलिंग से इंद्रूनाग या कुल्लू तक एक समान होंगे। यह हवा और मौसम का खेल भी है, जिसे और वैज्ञानिक ढंग से संरक्षण मिलना चाहिए।

रोमांच की राह पर हिमाचल पर्यटन की खूबियां जिस तरह से प्रचारित हो रही हैं, उससे सुरक्षा, बचाव व राहत की चुनौतियां बढ़ जाती हैं। साहसिक खेलों में हिमाचल का होना दरअसल पर्यटन को नए आयाम पर ले जाना है, लेकिन ऐसे दोहन की शर्तें भी कबूल करनी होंगी। हम हर दिन देखते हैं कि किसी नई पहाड़ी पर पैराग्लाइडिंग हो रही है। अभी-अभी सरकाघाट के आकाश से छतरियां उतरी हैं, तो यह खूबसूरत नजारा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि एक पूरी व्यवस्था का अवतरण होना चाहिए। बेशक हिमाचल के हर हिस्से में यह खूबी है कि वहां पैराग्लाइडिंग, जल क्रीड़ाएं व ट्रैकिंग जैसे जोखिम उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा आधुनिक साहसिक खेलों के उपकरण हिमाचल के निजी क्षेत्र को नित नए प्रयोग करने को प्रेरित कर रहे हैं। इनमें से कुछ साहसिक गतिविधियां पर्वतारोहण संस्थान, जबकि अन्य पर्यटन विभाग के अधीन चल रही हैं। पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग जैसे खेल पर्वतारोहण संस्थान के तहत चलने चाहिएं। भले ही साहसिक खेल पर्यटन का आकर्षण हैं, लेकिन इससे जुड़े दिशा-निर्देश, प्रशिक्षण व निरीक्षण सीधे-सीधे पर्वतारोहण संस्थान की दक्षता-विशेषता और विभागीय कसौटियों के तहत ही पूरे हो सकते हैं।

घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई

कश्मीर से पंडितों के पलायन के चार दशक

प्रवीण गुगनानी

कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया।

कश्मीर के सर्वाधिक नए जन सांख्यिकीय आंकड़ों पर नजर डाले तो स्वतंत्रता के समय वहां घाटी में 15% कश्मीरी पंडितों की आबादी थी जो आज 1% से नीचे होकर 0% की ओर बढ़ गई है। हाल ही के इतिहास में कश्मीर के ज.स. सांख्यिकी में यदि परिवर्तन का सबसे बड़ा कारक खोजें तो वह एक दिन, यानि 19 जनवरी 1990 के नाम से जाना जाता है। कश्मीरी पंडितों को उनकी मातृभूमि से खदेड़ देनें की इस घटना की यह भीषण और वीभत्स कथा 1989 में आकार लेनें लगी थी। पाकिस्तान प्रेरित और प्रायोजित आतंकवादी और अलगाववादी यहाँ अपनी जड़ें बैठा चुके थे। भारत सरकार आतंकवाद की समाप्ति में लगी हुई थी तब के दौर में वहां रह रहे ये कश्मीरी पंडित भारत सरकार के मित्र और इन आतंकियों और अलगाववादियों के दुश्मन और खबरी सिद्ध हो रहे थे। इस दौर में कश्मीर में अलगाववादी समाज और आतंकवादियों ने इस शांतिप्रिय हिन्दू पंडित समाज के विरुद्ध चल रहे अपनें धीमे और छदम संघर्ष को घोषित संघर्ष में बदल दिया। इस भयानक नरसंहार पर फारुक अब्दुल्ला की रहस्यमयी चुप्पी और कश्मीरी पंडित विरोधी मानसिकता केवल इस घटना के समय ही सामने नहीं आई थी। तब के दौर में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुख अब्दुल्ला अपने पिता शेख अब्दुल्ला के क़दमों पर चलते हुए अपना कश्मीरी पंडित विरोधी आचरण कई बार सार्वजनिक कर चुके थे। 19 जनवरी 1990 के मध्ययुगीन, भीषण और पाशविक दिन के पूर्व जमात-ए-इस्लामी द्वारा कश्मीर में अलगाववाद को समर्थन करने और कश्मीर को हिन्दू विहीन करनें के उद्देश्य से हिज्बुल मुजाहिदीन की स्थापना हो गई थी। इस हिजबुल मुजाहिदीन नें 4 जनवरी 1990 को कश्मीर के स्थानीय समाचार पत्र में एक एक विज्ञप्ति प्रकाशित कराई जिसमें स्पष्टतः सभी कश्मीरी पंडितों को कश्मीर छोड़ने की धमकी दी गई थी। इस क्रम में उधर पाकिस्तानी प्रधानमन्त्री बेनजीर नें भी टीवी पर कश्मीरियों को भारत से मुक्ति पानें का एक भड़काऊ भाषण दे दिया। घाटी में खुले आम भारत विरोधी नारे लगनें लगे। घाटी की मस्जिदों में अजान के स्थान पर हिन्दुओं के लिए धमकियां और हिन्दुओं को खदेड़ने या मार-काट देने के जहरीले आव्हान बजनें लगे। एक अन्य स्थानीय समाचार पत्र अल-सफा ने भी इस विज्ञप्ति का प्रकाशन किया था। इस भड़काऊ, नफरत, धमकी,

हिंसा और भय से भरे शब्दों और आशय वाली इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के बाद कश्मीरी पंडितों में गहरें तक भय, डर घबराहट का संचार हो गया। यह स्वाभाविक भी था क्योंकि तब तक कश्मीरी पंडितों के विरोध में कई छोटी बड़ी घटनाएं वहां सतत घाट ही रही थी और कश्मीरी प्रशासन और भारत सरकार दोनों ही उन पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे थे। 19जन. 1990 की भीषणता को और कश्मीर और भारत सरकार की विफलता को इससे स्पष्ट समझा जा सकता है कि पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर और दुकानों पर नोटिस चिपका दिए गए थे कि 24 घंटो के भीतर वे घाटी छोड़ कर चले जाएँ या इस्लाम ग्रहण कर कड़ाई से इस्लाम के नियमों का पालन करें। घरों पर धमकी भरें पोस्टर चिपकाने की इस बदनाम घटना से भी भारत और कश्मीरी सरकारें चेती नहीं और परिणाम स्वरुप पूरी घाटी में कश्मीरी पंडितों के घर धूं-धूं जल उठे। तत्कालीन मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला इन घटनाओं पर रहस्यमयी आचरण अपनाए रहे, वे कुछ करनें का अभिनय करते रहे और कश्मीरी पंडित अपनी ही भूमि पर ताजा इतिहास की सर्वाधिक पाशविक- बर्बर-क्रूरतम गतिविधियों का खुले आम शिकार होते रहे, घाटी में पहले से फैली अराजकता चरम पर पहुँच गई। कश्मीरी पंडितों के सर काटे गए, कटे सर वाले शवों को चौक-चौराहों पर लटकाया गया। बलात्कार हुए, कश्मीरी पंडितों की स्त्रियों के साथ पाशविक-बर्बर अत्याचार हुए। गर्म सलाखों शरीर में दागी गई और इज्जत आबरू के भय से सैकड़ों कश्मीरी पंडित स्त्रियों ने आत्महत्या करनें में ही भलाई समझी। बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों के शवों का समुचित अंतिम संस्कार भी नहीं होनें दिया गया था, कश्यप ऋषि के संस्कारवान कश्मीर में संवेदनाएं समाप्त हो गई और पाशविकता-बर्बरता का वीभत्स नंगा नाच दिखा था। जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट और हिजबुल मुजाहिदीन ने जाहिर और सार्वजनिक तौर पर इस हत्याकांड का नेतृत्व किया था। ये सब एकाएक नहीं हुआ था, हिजबुल और अलगाववादियों का अप्रत्यक्ष समर्थन कर रहे फारुख अब्दुल्ला तब भी चुप रहे थे या कार्यवाही करनें का अभिनय मात्र कर रहे थे जब भाजपाई और कश्मीरी पंडितों के नेता टीकालाल टपलू की 14 सित. 1989 को दिनदहाड़े हत्या कर दी गई थी। अलगाववादियों को कश्मीर प्रशासन का ऐसा वरद हस्त प्राप्त रहा कि बाद में उन्होंने कश्मीरी पंडित और श्रीनगर के न्यायाधीश एन. गंजू की भी हत्या की और प्रतिक्रया होनें पर 320 कश्मीरी स्त्रियों, बच्चों और पुरुषों की हत्या कर दी थी। ऐसी कितनी ही हृदय विदारक, अत्याचारी और बर्बर घटनाएं कश्मीरी पंडितों के साथ घटती चली गई और दिल्ली सरकार लाचार देखती भर रही और उधर श्रीनगर की सरकार तो जैसे खुलकर इन आतताइयों के पक्ष में आ गई थी। इस पृष्ठभूमि में हिजबुल और जेकेएलएफ़ का दुस्साहस बढ़ना स्वाभाविक ही था और वह निर्णायक तौर पर कश्मीरी पंडितों की दुकानों-घरों पर 24 घंटे में घाटी छोड़ देनें या मार दिए जानें की धमकी के नोटिस चस्पां करनें की हद तक बढ़ गया। इसके बाद जो हुआ वह एक दुखद, क्षोभजनक, वीभत्स, दर्दनाक और इतिहास को दहला देनें वाले काले अध्याय के रूप में सामनें आया। अन्ततोगत्वा वही हुआ जो वहां के अलगाववादी, आतंकवादी हिजबुल और जेकेएलऍफ़ चाहते थे। कश्मीरी पंडित पूर्व की घटनाओं, घरों पर नोटिस चिपकाए जानें और बेहिसाब कत्लेआम से घबराकर 19 जन. 1990 को हिम्मत हार गए। फारुख अब्दुल्ला के कुशासन में आतंकवाद और अलगाववाद चरम पर आकर विजयी हुआ और इस दिन साढ़े तीन लाख कश्मीरी पंडित अपनें घरों, दुकानों, खेतों, बागो और संपत्तियों को छोड़कर विस्थापित होकर दर-दर की ठोकरें खानें को मजबूर हो गए। कई कश्मीरी पंडित अपनों को खोकर गए, अनेकों अपनों का अंतिम संस्कार भी नहीं कर पाए, और हजारों तो यहाँ से निकल ही नहीं पाए और मार-काट डाले गए। विस्थापन के बाद का जो दौर आया वह भी किसी प्रकार से आतताइयों द्वारा दिए गए कष्टों से कम नहीं रहा कश्मीरी पंडितों के लिए। वे सरकारी शिविरों में नारकीय जीवन जीनें को विवश हुए।

दृष्टि कोण

प्रकृति की अप्रत्याशित और अबूझ विपदाएं

इसके बाद भी पूरा अमेरिका अपने एक महत्त्वपूर्ण नगर लॉस एंजिलिस में अपेक्षानुरूप अग्निदहन रोक पाने में विफल सिद्ध हुआ है। यह घटना जगत की संपूर्ण मानवजाति को यही शिक्षा देती दिख रही है कि प्रकृति व पर्यावरण का अत्यधिक अनुचित दोहन रोक दो, बंद कर दो। आश्चर्य ये है कि संपूर्ण विश्व में जब अधिसंख्य क्षेत्र शीतऋतु के प्रभाव में हैं और अमेरिका में भी शीताधिकता परिव्याप्त है, उस समयावधि में लॉस एंजिलिस के समीपस्थ पर्वत श्रृंखलाओं के वनों में आग लगना और इसका विनाशक बनकर फैलना, वैज्ञानिक विश्व की समझ से परे है। यह आग क्यों लगी, इसका ठोस कारण अभी तक ज्ञात नहीं हो पाया है। आग के तेजी से भडक़ने और फैलने का एकमात्र कारण तो तेज चलती हवा के रूप में स्पष्ट दिखाई देता है, किंतु यह भी आश्चर्य से कम नहीं कि ऐसी हवा इस मौसम में क्यों चल रही है। प्रायः इस मौसम में न तो ऐसा अग्निकांड ही अभिलेखित आधुनिक दुनिया में पहले कभी हुआ और न ही कभी ऐसी हवाएं चलीं, जिनके कारण वनाग्नि ने लाखों लोगों के आवास सहित उनका पूरा भौतिकीय जनजीवन ही ध्वस्ताधूत कर दिया हो। व्यतीत कुछ वर्षों में अमेरिका का अग्निकांड सबसे विचित्र प्राकृतिक विपदा है। दुनिया को प्राकृतिक अस्थिरता, असंतुलन एवं असहजता से ग्रस्त करने के मूकदोषी तथाकथित वैज्ञानिकों के लिए अग्निदहन का यह प्रसंग शोध का विषय होना चाहिए। वे इस पर शोध करेंगे भी। वे ही क्यों, दुनिया के सभी वैज्ञानिक अपने-अपने हितों व स्वार्थ सिद्धियों के लिए इस संदर्भ में शोधपरक अवश्य बनेंगे। ऐसे ही वर्तमान से पहले की असंख्य आपदाओं, विपदाओं और अतिवृष्टियों पर भी अनेक शोध होते रहे हैं, किंतु उनसे दुनिया के जनजीवन का भविष्य प्राकृतिक रूप में सुरक्षित नहीं हो सका है। दिन-प्रतिदिन और यहां तक कि एक दिन में भी प्रहर-प्रतिप्रहर पृथ्वी, नभ, जल, वायु, अग्नि का प्राचीन संतुलित चक्र विकृत होता जा रहा है। प्रति वर्ष एक ही ऋतु पृथक-पृथक ढंग से विद्रूप हो रही है। हरेक वर्ष ऋतुओं का अपना स्वरूप ही प्रतिकूल ढंग से परिवर्तित हो रहा है। उधर अमेरिका में शीतऋतु में अग्निकांड हो रहा है, तो इधर चीन में शीतजन्य एक नया विषाणु वातावरण में फैल चुका है। सन्-2019 में चीन से प्रसारित कोरोना महामारी के बाद अब पुनः शीतऋतु के बदले हुए रूप में चीन में एक नया विषाणु फैल गया है। इसने वहां कई लोगों को रोगग्रस्त कर दिया है। वृद्धजन एवं बच्चे इससे अधिक प्रभावित हैं। इस कारण कई लोग अपने प्राण गंवा चुके हैं। दुनिया इसे चीन द्वारा फैलाया गया नया स्वास्थ्य संकट समझ रही है, किंतु संभवतः यह भी ऋतुविकृति का ही दुष्परिणाम प्रतीत हो रहा है। ऋतुओं की विकृतियों के उत्सर्जन, आवृत्ति और विघटन को पर्याप्त ढंग से समझने के लिए अभी अमेरिका, चीन या अन्य देशों के वैज्ञानिक व चिकित्सक सक्षम नहीं हैं। जैसे अमेरिका में फैली अग्नि के प्रामाणिक कारक अज्ञात हैं, वैसे ही चीन में नए विषाणु के उत्सर्जन के कारक भी अज्ञात ही हैं। इसी समयावधि में जापान भी भूकंप से प्रभावित हुआ है। वहां सुनामी आने की आशंकाएं भी प्रकट की जा रही हैं। वर्ष के आरंभिक माह में ही पूरी दुनिया में प्राकृतिक आपदाओं की अधिकता दिख रही है। शीत ऋतु में सामान्य व प्रचलित शीतजन्य कष्टों से तो जनजीवन घिरा ही हुआ है, साथ ही पर्यावरण की अप्रत्याशित और अबूझ विपदाएं भी जीवन को पूरी तरह असुरक्षित कर रही हैं। ऐसे में कर्ताधर्ताओं, धन-संसाधन संपन्न व्यक्तियों, पूंजीपतियों, शासकों को ही नहीं बल्कि लोगों को भी निरंतर अपने हृदय का पक्ष सुनना होगा। अब जीवित श्वास लेते मनुष्यों को बुद्धिमत्ता से अधिक आत्मचेतना के साथ जीवन-जगत के बारे में सोचना होगा। बुद्धि के दुष्परिणाम दिनोंदिन भीषण रूप में सामने आ रहे हैं। दुनिया का भौतिक विज्ञान व वैज्ञानिक कितनी ही विद्वता, व्यावसायिकता एवं सकारात्मकता के साथ लोककल्याण की दिशा में अपने प्रयोग करें, किंतु हर बार अंततः अभिशाप का विघटन ही लोकसमाज को झेलना पड़ता है। विज्ञान का वरदान पक्ष स्वप्नातीत हो चुका है। इसीलिए अब हृदय, आत्मा और संवेदना के साथ जीवन-यात्रा करने का समय आ चुका है। ऐसा करे बिना प्रकृति शांत नहीं होगी। यदि अभी इस समय से दुनिया मूलतत्त्वों से छेड़छाड़ न करने का संकल्प लेकर सादगी से जीवन जीना आरंभ करती है, तो ऐसे इस तरह चार-पांच सौ वर्षों तक जीने-रहने के अभ्यास के उपरांत कहीं जाकर प्राकृतिक संतुलन पुनस्र्थापित हो सकेगा। भारत में प्रकृति के पंचतत्त्वों को ईश्वर के संजीवित प्रतिनिधियों के रूप में पूजने का प्रचलन प्राकृतिक संतुलन के ध्येय हेतु सर्वोत्तम सार्वजनिक अभ्यास है।

कुछ अलग

श्रद्धांजलियों का महत्त्व...

फेसबुकिया संसार की कोई और खासियत हो या न, पर यह खासियत तो जरूर है कि फेसबुकिया भाई खुशी के मौके पर बधाई देने में कंजूसी कर जाएं तो कर जाएं, पर श्रद्धांजलि देने का मौका हाथ लगते ही अपरिचित को भी श्रद्धांजलि देने में देर नहीं लगाते। मुंह का कौर मुंह में तो हाथ का हाथ में। सच कहूं, लेखन में अब श्रद्धांजलियों के सिवाय मुझे और कुछ भी मौलिक नहीं दिख रहा। मेरे मरने के तुरंत बाद एक से बढक़र एक मनमोहक, लोमहर्षक श्रद्धांजलियां इधर उधर से आने लगीं तो मैं मरने के बाद भी चिहुक उठा। आप सच नहीं मानेंगे, पर यह सच है कि दो मिनट में ही फेसबुक पर मुझे दी जाने वाली श्रद्धांजलियों का ज्वार आ गया। देखते ही देखते फेसबुक हैंग होने लगी। तब मुझे पहली बार पता चला कि मेरे दोस्त मुझे श्रद्धांजलि देने को वाह! कितने आतुर थे? सच्चे दोस्त वही होते हैं जो आपकी खुशी से जले भुने, पर ज्यों ही आप श्रद्धांजलि पाने के अधिकारी हो जाएं वे तमाम दूसरे जरूरी काम बंद कर सबसे पहले आपको मौलिक श्रद्धांजलि दें। अब सुरापान तो कर नहीं सकता था। इसलिए अपना अंतिम सिंगार किए जाने को लेकर पंडित जी के न आने तक मैं भी हल्के फुल्के कफन के नीचे अपने अमित्र मित्रों द्वारा मुझे दी जा रही श्रद्धांजलियों का मजे से रसपान करता रहा। हर श्रद्धांजलि को गौर से पढ़ता तो मरने के बाद भी कलेजा मुंह को आ जाता। कंबख्त साधारण से दोस्त भी दोस्त के मरने पर उसको श्रद्धांजलि देने को पता नहीं कहां से ऐसे ऐसे शब्द चुन चुन कर ला रहे थे? मित्रो! मैंने अपने जीवित रहते अपने बहुत से मित्रों को श्रद्धांजलियां दी थीं। पर श्रद्धांजलियों में ऐसा काव्य सौष्ठव पहली बार देख रहा था। अपनी श्रद्धांजलि में कोई मुझे देवात्मा बात रहा था तो कोई ब्रह्मात्मा। कोई मुझे सादगी की साक्षात प्रतिमा बता रहा था तो कोई मुझे दोस्तों का दोस्त! अपने साथ मुझे पल भर को भी न रखने वाला कोई सदा सदा को मेरे ईश्वर में लीन होने की कामना कर रहा था तो कोई मेरा जिंदगी भर एक भी आग्रह न मानने वाला भगवान से आग्रह कर रहा था कि वे मुझ ताउम्र के चरणजीवी को बिना किसी विरोध अपना चरणजीवी बनाएं। मरने के बाद भाई साहब! चाहने वालों को तो छोड़िए, जो कभी सपने में भी न मिले हों, मत पूछिए वे भी मरने वाले के मरने पर उसको दी जाने वाली श्रद्धांजलियों के प्रति अहा! कितने उदार हो जाते हैं? मुझ पर यकीन नहीं होता तो तनिक अपने मरने का स्वांग करते अफवाहों से चमचमाते सोशल मीडिया पर अपने दिवंगत होने की खबर फैला दीजिए। फिर देखिए अपने को मिलती श्रद्धांजलियों का कमाल! इधर मैं था कि मरने के बाद भी उनकी श्रद्धांजलियां बटोरता बटोरता मरा जा रहा था। काश! उस वक्त मेरे आसपास जो कोई दूसरा भी मरा होता तो उसे भी अपने हिस्से की श्रद्धांजलियां बटोरने में लगा देता। असल में मरने के बाद अपने मित्रों से मिली दिल खुश कर देने वाली ऐसी श्रद्धांजलियां ही तो मरने वाले की एकमात्र पूंजी होती हैं। मेरे मरने पर मुझे असीम एक से एक मौलिक, नूतन श्रद्धांजलियां देने वाले हे मेरे शुभचिंतको! आपके लिए भगवान से मेरा बस यही निवेदन! भगवान मेरे सिधारने पर मुझे मौलिक श्रद्धांजलियां देने वालों को भविष्य में इससे भी बेहतर श्रद्धांजलियां लिखने की शक्ति प्रदान करें। भगवान से मैं यह भी विनम्र निवेदन करता हूं कि मित्रों के दिवंगत होने के साथ साथ उनका श्रद्धांजलि लेखन कौशल श्रद्धांजलि श्रद्धांजलि निखरता जाए।

देश दुनीया से

संविधान में परिवर्तन के लिए क्या युवा तैयार हैं?

हाल का राजनीतिक-विकासात्मक, सृजनात्मक घटनाक्रम और उनसे उपजी विश्लेषणात्मक सोच यह प्रश्न भारत के युवाओं के पूछ रही है। पहली राजनीतिक घटना यह है कि कांग्रेस, मुख्य विपक्षी दल, एनडीए सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह संविधान में बदलाव करने जा रही है। वह भारतीय नागरिकों को इस संबंध में सचेत भी कर रही है। दूसरी घटना के रूप में हम प्रखर चिंतक और 'दिव्य हिमाचल' के सीएमडी भानु धमीजा की पुस्तक 'भारत में राष्ट्रपति प्रणाली : कितनी जरूरी, कितनी बेहतर' को ले सकते हैं। यह किताब भारत में बेहतर लोकतंत्र की स्थापना के लिए अमरीका की तरह की अध्यक्षात्मक सरकार की पैरवी करती है। तीसरी बात यह है कि भारतीय संविधान में कई संशोधनों के बावजूद अब तक गुणात्मक संशोधन नहीं हुए हैं। इसमें नागरिक महत्त्वाकांक्षाओं, विशेषकर युवा महत्त्वाकांक्षा, को ध्यान में रखते हुए गुणात्मक संशोधनों की जरूरत है। राजनीतिक घटनाक्रम को याद करें, तो कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल बार-बार आरोप लगा रहे हैं कि मोदी संविधान बदलने जा रहे हैं। इस पर सरकार पूछ रही है कि संविधान में 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द लिखाने वाले कौन लोग हैं, जबकि मूल संविधान में यह शब्द नहीं है। सरकार का आरोप है कि संविधान बदलने का कार्य तो कांग्रेस ने किया है। अब सवाल है कि संविधान में बदलाव होना चाहिए या नहीं? अमरीकी व ब्रिटिश संविधानों में बदलावों के नियमों को देखें, तो पहले वाला कठोर संविधान है, जबकि दूसरे वाला लचीला संविधान है। भावार्थ यह है कि अमरीका में मुश्किल से, जबकि ब्रिटेन में सरलता से संविधान संशोधन हो सकते हैं। जहां तक भारतीय संविधान की बात है, तो इसमें कुछ प्रावधान आसानी से बदले जा सकते हैं, किंतु कुछ प्रावधान ऐसे हैं जिन्हें बदलने के लिए विशेष बहुमत की जरूरत होती है। यह भी ध्यातव्य है कि 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य केस में आए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार संविधान में बदलाव तो हो सकता है, किंतु मूल ढांचे को नहीं बदला जा सकता है। तब से लेकर संविधान संशोधनों को लेकर यही अवधारणा बनी हुई है। किंतु विशेषज्ञों का मानना है कि विशेष बहुमत और रणनीतिक-कूटनीतिक प्रयासों के जरिए सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले को बदलकर मूल ढांचे में भी बदलाव किया जा सकता है। हालांकि इसके लिए दो संविधान संशोधनों की जरूरत पड़ेगी। पहले संशोधन के जरिए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को पलटा जा सकता है, और दूसरे संशोधन के जरिए मूल ढांचे में बदलाव किया जा सकता है। इसके अलावा नागरिक और युवा महत्त्वाकांक्षाएं तो बदलाव की पैरवी करती ही हैं। मेरा मानना है कि संविधान में संशोधन का अधिकार नई पीढ़ी को होना ही चाहिए, ताकि वह अपने समयानुकूल प्रासंगिक संशोधन कर सके। लेकिन संशोधन किन धाराओं में हो, कितनी सीमा तक हो, यह चिंतन का विषय है। यहां सवाल उठता है कि युवा पीढ़ी के मन में इस संबंध में क्या कोई बहस चल रही है? क्या वह भारतीय संविधान में संशोधन के लिए तैयार हो रही है? भारतीय संविधान में संशोधन करके 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द लिखने के संबंध में विश्लेषकों का सार है कि यह तत्कालीन सरकार, जिसे पूर्ण बहुमत प्राप्त था, का तत्कालीन परिस्थितियों में लिया गया फैसला था, अतः उचित माना जाना चाहिए। इसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। लेकिन अब सवाल यह है कि अगर यही तर्क लेकर एनडीए सरकार, जिसे भी पूर्ण बहुमत हासिल है, संविधान में संशोधन करती है, तो क्या इस संबंध में भी यही तर्क दिया जाएगा, अथवा कुछ और? यह चिंतन का विषय है। जहां तक युवा महत्त्वाकांक्षाओं का सवाल है, तो यह पूछा जा सकता है कि रोजगार के अधिकार, जो अभी केवल निर्देशक सिद्धांतों में शामिल है, को मौलिक अधिकार क्यों न बनाया जाए? इसके लिए भी तो संविधान में संशोधन की जरूरत पड़ेगी। संविधान की कुछ पुरातन और अप्रासंगिक हो चुकी धाराओं को भी बदलने की जरूरत महसूस की जा रही है। कुछ लोग पूरी तरह संविधान को बदलने की भी पैरवी कर रहे हैं। क्या प्रासंगिक और सीमित संशोधन ही हों, या संविधान को पूरी तरह बदल दिया जाए, यह चिंतन का विषय है। यह बात भी जाहिर है कि संविधान संशोधन का विषय मूलतः युवा पीढ़ी से जुड़ा है, अतः उसे ही कोई ठोस फैसला करना है। क्या भारतीय युवा पीढ़ी इसके लिए तैयार हो रही है? अगर वह तैयार हो रही है, तो क्या वह प्रासंगिक और सीमित संशोधन ही करेगी, अथवा पूरा संविधान बदलने की इजाजत देगी? इन मसलों पर चिंतन भारत के भविष्य के लिए ठीक रहेगा। मौलिक अधिकारों, मौलिक कत्र्तव्यों और राज्यनीति के निर्देशक सिद्धातों पर विचार करते हुए, नए युग के अनुरूप संशोधन किए जाने चाहिएं। अभिभावकों का मौलिक कत्र्तव्य है कि वे अपने बच्चों को शिक्षा दिलाएं। ऐसे ही अन्य कई मौलिक कत्र्तव्य भी हैं। कुछ मौलिक कत्र्तव्यों को न्यायसंगत बनाने की जरूरत है। रोजगार के अधिकार को निर्देशक सिद्धांतों की सूची से निकाल कर न केवल मौलिक अधिकार बना दिया जाना चाहिए, बल्कि इसके लिए माकूल बजट की व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार की पहली दस प्राथमिकताएं तय करने के लिए नवीन चिंतन किया जाना चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 39-बी और 39-सी में लिखा है कि सरकार ऐसी व्यवस्था करेगी कि देश के आर्थिक संसाधनों का न्यायोचित बंटवारा हो तथा भौतिक संपदा पर कुछ ही लोगों का एकाधिपत्य न हो। इन अनुच्छेदों को अनुच्छेद 14 व 19 में दिए गए मौलिक अधिकारों पर अधिमान दिया गया है। नागरिकों के आर्थिक अधिकारों को पुष्ट करने वाले सभी निर्देशक सिद्धांतों को भी न्यायसंगत बनाया जाना चाहिए, क्योंकि आर्थिक अधिकारों के बिना सच्चे लोकतंत्र की स्थापना महज एक कल्पना है। प्रो. के. टी. शाह ने तो कहा भी है कि निर्देशक सिद्धांत एक ऐसा चैक है जिसे बैंक अपनी सुविधा के अनुसार जारी करता है।

आप का नजरीया

ट्रंप के 'आपातकाल' फैसले

राष्ट्रपति बनते ही डोनाल्ड ट्रंप ने अमरीका की दक्षिणी सीमा, मैक्सिको बॉर्डर, पर आपातकाल घोषित कर दिया। वहां सेना भेजने की भी घोषणा की गई है। राष्ट्रपति ट्रंप के लिए अवैध घुसपैठियों का मुद्दा सबसे संवेदनशील है। अवैध प्रवासियों को उनके मूल देश तक अमरीका छोड़ कर ही दम लेगा। इनमें करीब 18,000 भारतीयों पर भी तलवार लटकी है, जो अवैध प्रवासी हैं। मैक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाने का काम तेज किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान भी यह दीवार उनकी पहली प्राथमिकताओं में थी। मैक्सिको खाड़ी का नाम जल्द ही बदल कर 'अमरीका की खाड़ी' किया जाएगा। अमरीका में जो ड्रग तस्कर, माफिया किस्म के लोग सक्रिय हैं, उन्हें राष्ट्रपति ने 'आतंकवादी' घोषित कर दिया है। अमरीका पनामा नहर पर कब्जा करेगा। ट्रंप ने घोषणा की है कि हमने पनामा नहर 'तोहफे' के तौर पनामा को दी थी, लेकिन चीन इसका संचालन कर रहा है। हमने चीन को यह नहर नहीं दी थी, लिहाजा हम इसे वापस ले रहे हैं। क्या कब्जे की नीयत अमरीका-चीन में नए टकराव का सबब नहीं बनेगी? राष्ट्रपति ट्रंप ने 'एनर्जी इमरजेंसी' भी घोषित कर अपना मकसद साफ कर दिया है। अमरीका ऊर्जा-उत्पादन को बढ़ावा देगा और दुनिया के देशों को इसका निर्यात करेगा। अमरीका 'ग्रीन न्यू डील' को समाप्त करेगा। विद्युत-वाहनों की अनिवार्यता रद्द की जाएगी। इन वाहनों पर सबसिडी भी खत्म की जाएगी। पेट्रोल-डीजल की गाडियों को प्रोत्साहन देकर 'ऑटो उद्योग' को दोबारा जिंदा करेंगे। दूसरे देशों को समृद्ध बनाने के लिए अपने नागरिकों पर टैक्स लगाने के बजाय विदेशों पर अधिक टैरिफ और कर लगाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने सबसे महत्वपूर्ण घोषणा यह की है कि अमरीकी सेना स्वतंत्र रूप से अपने मिशन पूरे करेगी, लेकिन दूसरे देशों के युद्धों, टकरावों में अब सेना शामिल नहीं होगी। ट्रंप का संकेत स्पष्ट है, क्योंकि अमरीकी सेना विदेशी जमीन पर हस्तक्षेप करती रही है, लेकिन पराजित होकर, खाली हाथ उसे लौटना पड़ा है। ट्रंप के मुताबिक, हमारे लिए देश की सीमाओं की सुरक्षा करना पहली प्राथमिकता है। अमरीका दुनिया भर में अमन-चैन और स्थिरता का पक्षधर है। नए राष्ट्रपति अब 'शांति-पुरुष' की छवि बनाकर नोबेल पुरस्कार हासिल करना चाहते हैं? बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल के आगाज पर कई संकेत दिए हैं कि वह आपातकाल, आक्रामक, परिवर्तनकारी, भिन्न, सौ फीसदी अमरीका फस्र्ट और युद्ध-विरोधी नीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे। वह अमरीका को दोबारा मैन्युफैक्चरिंग का गढ़ बनाना चाहते हैं। अमरीका में महंगाई, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी को कम करना चाहते हैं, ताकि अमरीका फिर से 'महान देश' बन सके। पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन उनकी बगल में, दूसरी कतार में ही, बैठे थे और राष्ट्रपति ट्रंप उनकी सरकार की छीछालेदर कर रहे थे। ऐसा देश 'महान लोकतंत्र' नहीं बन सकता। ट्रंप ने 20 जनवरी को अमरीका का 'मुक्ति दिवस' घोषित किया। आखिर अमरीका किनसे मुक्ति पा रहा है? राष्ट्रपति ट्रंप बहुत जल्दी में लगते हैं। बताया जा रहा है कि वह करीब 200 आदेशों पर हस्ताक्षर करने वाले हैं।

भारत पर्व पर नई दिल्ली के लाल किला प्रांगण में राजस्थान की झांकी *सोणो राजस्थान* बनेगी आकर्षण का केंद्र

नई दिल्ली/ जयपुर (हिंस)। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में इस वर्ष गणतंत दिवस की मुख्य परेड में कर्तव्य पथ से निकलने वाली चुनिंदा झांकियों और दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में 26 से 31 जनवरी तक आयोजित होने वाले भारत पर्व-2025 में भाग लेने वाली झांकियों की तैयारियों का बुधवार को नई दिल्ली के दिल्ली कैंट परेड ग्राउंड दिल्ली केंद्र स्थित गणतंत्र दिवस परेड राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में प्रेस प्रिव्यू हुआ। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड में विभिन्न राज्यों सहित केंद्रीय मंत्रालयों की 31 झांकियां शामिल होंगी, जबकि लाल किला प्रांगण में 26 से 31 जनवरी तक आयोजित होने वाले भारत पर्व-2025 में मुख्य परेड में शामिल झांकियों सहित विभिन्न राज्यों की 43 झांकियां भाग लेंगी। हालांकि, इस बार राजस्थान की झांकी गणतंत दिवस की परेड में कर्तव्य पथ से निकलने वाली चुनिंदा झांकियों में तो शामिल नहीं होंगी, लेकिन दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किला प्रांगण में आयोजित होने वाले भारत पर्व-2025 में राजस्थान की झांकी *सोणो राजस्थान* भी मुख्य परेड में निकलने वाली झांकियों के साथ ही शामिल होंगी और जन आकर्षण का केंद्र बनेगी। इस झांकी में विरासत ओर विकास का सुंदर मिश्रण किया गया हैं। यह नयनाभिमानी झांकी विकसित भारत की संकल्पना लिए राजस्थान के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और स्थापत्य परंपरा के साथ ही राज्य के नवीन निर्माण की एक सुंदर झांकी है। झांकी के नोडल अधिकारी राजस्थान ललित कला अकादमी के डॉ. रजनीश हर्ष ने प्रेस प्रिव्यू में पत्रकारों को बताया कि यह सुंदर झांकी राजस्थान की उत्सवधर्मी संस्कृति, स्थापत्य परंपरा और हस्तशिल्प का सुंदर मिश्रण हैं। इस बार भी झांकी का डिजाइन सिद्धस्त कलाकार हरशिव शर्मा द्वारा सुंदर तरीके से किया गया है। इस अद्भुत झांकी के अग्रभाग में राजस्थान के पारंपरिक पर्व तीज की सुप्रसिद्ध सवारी के मनोहारी दृश्य को शामिल किया गया है, जबकि पिछले भाग में शेखावाटी की प्राचीन और दुर्लभ हवेलियों की समृद्ध विरासत को दर्शाया गया है। झांकी के नीचे के पैनल में इन हवेलियों में बने हुए पुराने भित्ति चित्र ओर विभिन्न प्रकार के म्यूरल की डिजाइन का दिग्दर्शन किया गया हैं। साथ ही झांकी में राजस्थान सरकार द्वारा जल संरक्षण और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की झलक को भी शामिल किया गया हैं। डॉ. हर्ष ने बताया कि राज्य के कला और संस्कृति विभाग के शासन सचिव रवि जैन, उप शासन सचिव बृज मोहन नोगिया, जयपुर की संभागीय आयुक्त एवं राजस्थान ललित कला अकादमी की प्रशासक रश्मि गुप्ता के मार्गदर्शन में बनाई गई हैं। राजस्थान का गौरव कही जाने वाली हवेलियों को हाल ही में राजस्थान के पर्यटन विभाग ने विकसित कर म्यूजियम में बदलने का सराहनीय प्रयास किया है, ताकि देशी विदेशी पर्यटक इनका दीदार कर सकें। इस सांस्कृतिक झांकी में विकसित भारत की संकल्पना के तहत राजस्थान की उत्सवधर्मी संस्कृति में समाए महिलाओं के सुप्रसिद्ध त्यौहार तीज ओर खेतीबाड़ी ओर उद्योगों में जल संरक्षण, सौर ऊर्जा के विकास का सुंदर ढंग से प्रदर्शन किया गया है। झांकी का निर्माण कार्य इंवेंटिवो क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड फैब्रिकेटर द्वारा किया गया है। झांकी को नेशनल कैनवास पर उतारने के लिए उनके साथ कलाकार हरशिव शर्मा, विनय शर्मा, समुद्र सिंह और प्रीति सोलंकी अकादमी की पूरी टीम ने फैब्रिकेटर के साथ मिलकर रात दिन काम किया है। उल्लेखनीय है कि भारत पर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर वर्ष 2014 से दिल्ली में अनवरत मनाया जा रहा हैं। इस पर्व का उद्देश्य विविधताओं से भरे भारत के सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन करना और कलाकारों का उत्साह वर्धन करना हैं। भारत पर्व में इस बार राजस्थान की झांकी भी अन्य झांकियों के साथ दिल्लीवासियों और देश विदेश के दर्शकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करेगी।

एनआईए ने विदेशी संपर्क मामले में बठिंडा के ट्रेवल एजेंट से की पूछताछ

चंडीगढ़ (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को पंजाब के बठिंडा में कार्रवाई करते हुए इमिग्रेशन एजेंट गुरप्रीत सिंह जोड़ा उर्फ सनी के घर पर छापेमारी की। एक दर्जन से अधिक एनआईए अधिकारियों की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ घर की करीब चार घंटे तक तलाशी ली। जांच के दौरान एजेंसी ने परिवार के मोबाइल जब्त कर लिए गए थे। गुरप्रीत के भाई मनप्रीत सिंह के अनुसार एनआईए ने उनसे एक विशेष अंतर्राष्ट्रीय कॉल के बारे में पूछताछ की है। एजेंसी का कहना है कि यह कॉल कुछ आपराधिक तत्वों से जुड़ा हो सकता है। मनप्रीत ने बताया कि उनके भाई का इमिग्रेशन (ट्रेवल एजेंट) का व्यवसाय होने के कारण विदेशों से कॉल आना आम बात है, लेकिन एनआईए ने संदिग्ध कॉल के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। जांच के बाद एजेंसी ने गुरप्रीत सिंह को 27 जनवरी को चंडीगढ़ स्थित अपने कार्यालय में पेश होने का निर्देश दिया है, जहां आगे की पूछताछ की जाएगी।

बाल संरक्षण के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की समीक्षा

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने बाल संरक्षण के क्षेत्र में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों की समीक्षा के लिए श्रीगंगानगर का दौरा किया। समिति के वरिष्ठ सलाहकार राकेश कुमार चौधरी ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम 2015 के आलोक में राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के अध्यक्ष न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग ने श्रीगंगानगर जिले में बाल अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित राजकीय सम्प्रेषण एवं किशोर गृह, किशोर न्याय बोर्ड, बाल कल्याण समिति का निरीक्षण कर देखभाल एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे एवं विधि से संघर्षरत बालकों के कौशल विकास के लिए खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा प्रायोजित इलेक्ट्रीशियन एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। किशोर न्याय बोर्ड के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए न्यायाधीश मनोज कुमार गर्ग ने पेंडेंसी प्रकरणों का तुरंत निस्तारण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर न्यायाधीश मनोज कुमार गर्ग ने आवासित बालकों को मेडिटेशन एवं शिक्षा एवं अनुशासित जीवन शैली जीने के प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान किशोर न्याय बोर्ड की प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट माहेश्वरी बरोड़, राजकीय संप्रेक्षण एवं किशोर गृह अधीक्षक राजीव जाखड़, बाल अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक रेणु खैरवा, बाल कल्याण समिति अध्यक्ष जोगेंद्र कौशिक, सदस्य डॉ. रामप्रकाश शर्मा, किशोर न्याय बोर्ड सदस्य विकास सारस्वत उपस्थित रहे।

तैयारी धरी की धरी रह गई और सुंदरनाथधाम नहीं पहुंचे मुख्यमंत्री

अररिया (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के क्रम में आज बुधवार को सड़क मार्ग से अररिया पहुंचे। अररिया के रानीगंज प्रखंड के हांसा और छतियौना पंचायत में मुख्यमंत्री सात निश्चय योजनाओं, जल जीवन हरियाली के अंतर्गत बलुआ तालाब के निरीक्षण के साथ प्लस टू राजकीय रामानुजन उच्च विद्यालय में खेल के मैदान रोबोटिक्स लब का अवलोकन आदि किया और जिले को नई सौगात भी दी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कुर्साकांटा के सुंदरनाथ धाम मंदिर भी जाना था जहां पिछले 15 दिनों से मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर तैयारी की जा रही थी। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर करोड़ों रुपए मंदिर के रंग रोगन, तालाब के जीर्णोद्धार के साथ अन्य कार्य किए गए। सुबह से ही बड़ी संख्या में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर स्थानीय लोगों में काफी उत्सुकता थी। बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर के बाहर सुबह से ही डटे थे। लेकिन अचानक दोपहर बाद मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में फेरबदल हुआ और सुंदरनाथ धाम मंदिर का सीएम का कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के रद्द होने से ग्रामीणों में मायूसी छा गई। वहीं सुबह से ही सुरक्षा में और तैयारी में लगे प्रशासकीय और पुलिस अधिकारी को जब मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के रद्द हो जाने की सूचना मिली तो वे वहां से निकल चले। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर भारी संख्या में पुलिस बलों के साथ-साथ एसएसबी के जवानों की प्रतिनियुक्ति की गई थी। जानकारी मिलने के बाद वे भी अचानक शांत हो गए। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के रद्द होने पर ग्रामीणों में काफी मायूसी देखी गई। ग्रामीण ओमप्रकाश चौधरी ने बताया कि उनलोगों को अपेक्षा थी कि मुख्यमंत्री के आगमन पर सुंदरनाथधाम मंदिर में सावन और महाशिवरात्रि में लगने वाले मेले को राजकीय मेला का दर्जा मिल सकता है। साथ ही पर्यटन विभाग की ओर से इन्हें और अधिक विकसित किया जा सकता है। वहीं पप्पू मंडल ने बताया कि उनलोगों को यह आशा थी कि सुंदरनाथधाम मंदिर को धार्मिक सर्किट से जोड़ने की दिशा में मुख्यमंत्री की ओर से सकारात्मक प्रयास किया जाएगा।

राजस्थान में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर बीएसएफ का हाई अलर्ट, ऑपरेशन सर्द हवा शुरू

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान में भारत-पाकिस्तान सरहद पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का ऑपरेशन सर्द हवा गुरुवार से शुरू हो गया। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी के मद्देनजर सरहद पर बीएसएफ हाई अलर्ट पर है। बीएसएफ के सभी जवान और अधिकारी 29 जनवरी तक चलने वाले ऑपरेशन सर्द हवा के तहत सरहद पर मुस्तैद रहेंगे और आधुनिक हथियारों के साथ निगरानी करेंगे। दरअसल, सरहद पर कड़ाके की सर्दी के मौसम में किसी भी तरह की घुसपैठ व अवांछनीय गतिविधियों को रोकने के उद्देश्य से बीएसएफ ने गणतंत्र दिवस से ठीक पहले ऑपरेशन सर्द हवा के नाम से अभियान चलाता है। इस अभियान में बीएसएफ की तरफ से निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए सुरक्षा पहरा और कड़ा करने के लिए नफरी बढ़ाई जाती है। बीएसएफ डीआईजी नॉर्थ सेक्टर योगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि सरहद पर बीएसएफ सालभर चौकस है लेकिन इन दिनों ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। आधुनिक हथियारों

के साथ 24 घंटे सरहद पर पहरा रहेगा ताकि किसी भी तरह की अवांछनीय घटना पर तत्काल एक्शन हो सके। इस ऑपरेशन सर्द हवा के तहत सीमा सुरक्षा बल के अधिकारी भी सीमा चौकियों में दिन-रात रहकर चौकसी पर नजर रखेंगे। बल के अधिकारी सीमा चौकियों पर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के साथ सीमा चौकियों में रात्रि विश्राम भी करते हैं। ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान बीएसएफ की तरफ से अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पैदल जवानों और वाहनों के साथ रेगिस्तान के जहाज कहलाने वाले ऊंटों पर सवार होकर गश्त बढ़ाई गई है। किसी भी तरह की अवांछनीय हरकत को रोकने और सीमा पार से घुसपैठ जैसे किसी भी नापाक मंसूबे को विफल करने के लिए सुरक्षा प्रबंधों को चाक-चौबंद किया गया है। अभियान के दौरान सुरक्षा प्रहरियों को विशेष सतर्कता बरतने व हर सूचना से उच्चाधिकारियों को अवगत करवाने के दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सीमा सुरक्षा बल के सेक्टर और बटालियन मुख्यालय से रिजर्व जाब्ते, कार्यरत अधिकारियों के साथ साजो-सामान को सीमा पर भेजा गया है। ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान सीमा क्षेत्र में अतिरिक्त नफरी तैनात की गई है। बटालियन और सेक्टर मुख्यालयों पर नियुक्त सीमा सुरक्षा बल के जवानों को तारबंदी की निगरानी के लिए भेजा गया है। सीमा क्षेत्र में किसी भी तरह के अंतराल को भरा गया है। सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को कई चरणों में बांटकर उसे और ठोस बनाने पर जोर दिया गया है। ऑपरेशन सर्द हवा के दौरान सीमा पर आधुनिक हथियारों और तकनीकी उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है। सीमा सुरक्षा प्रणाली को नए दौर की चुनौतियों से निपटने में जवानों और अधिकारियों को भी एक्सपर्ट बनाने की कोशिश की जाती है।

नशे के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करे सरकार : गहलोत

जयपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने देशभर में नशे के बढ़ती समस्या पर चिंता जाहिर करते हुएराजस्थान सरकार से विशेष तौर पर गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर पर फोकस कर नशे के कारोबारियों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग की जिससे युवाओं के भविष्य को बर्बाद होने से बचाया जा सके। पूर्वमुख्यमंत्रीगहलोत ने बुधवार को इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट किया कि पूरे देश में नशे की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। पहले आमतौर पर कॉलेज में जाने पर बच्चों का नशे के प्रति रुझान दिख सकता था परंतु अब स्कूली बच्चों से बात करने पर पता चलता है कि अब स्कूल भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। 10वीं, 12वीं के बच्चे भी शराब और ड्रग्स की ओर बढ़ रहे हैं। बच्चों द्वारा हर छोटे-बड़े सेलिब्रेशन में शराब का सेवन किया जा रहा है जो पूरे समाज के लिए गंभीर चिन्ता का विषय है। उन्होंने सलाह देते हुए अपील की कि हम सभी को सरकार एवं समाज दोनों के तौर पर ये सोचना होगा कि क्या पैसा कमाना, स्वयं के लिए सुख-सुविधाएं जुटाते रहना या अन्य प्राथमिकताएं हमारे बच्चों के भविष्य से अधिक जरूरी हैं? क्या इसको लेकर कोई प्रभावी कार्रवाई हम नहीं कर सकते? उन्होंने आरोप लगाया कि नशे के बढ़ते खेल के पीछे वजह प्रशासन और सरकार का इस ओर बेहद गंभीर न होना, पुलिस की इस व्यापार में शामिल लोगों के साथ संलिप्तता तथा पैरेंट्स के पास बच्चों के लिए पर्याप्त समय न होना है। राजस्थान की ही बात करें तो 5 साल में 50 से अधिक पुलिसकर्मी नशे के कारोबार में शामिल पाए गए हैं। ड्रग्स पर प्रतिबंध के कानून हैं एवं सजा का भी प्रावधान है परंतु ट्रायल का लंबा समय, सबूतों का अभाव जैसी वजहों से आरोपी छूट जाते हैं। एमडीएमए टैबलेट जैसे ड्रग्स बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं जिससे युवा इसके चंगुल में फंसते जा रहे हैं और हमारी नई पीढ़ी बर्बाद हो रही है। गहलोत ने कहा कि दो साल पहले मैंने देशभर में बढ़ रहे क्लब और पब कल्चर के बारे में बयान दिया और इन पर सख्ती की तो मेरा काफी विरोध हुआ परंतु मेरा इरादा युवाओं की बेहतरी का रहा। नशे की लत ऐसी ही होती है जिसमें नशा करने वाले व्यक्ति को मना करने या सही राह दिखाने पर वो विरोध करता है। पूर्वमुख्यमंत्री ने कहा, वैसे तो ये समस्या पूरे प्रदेश में ही फैलती जा रही है परंतु गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, जोधपुर में तस्कर गैंग सक्रिय रूप से नशे का कारोबार चला रहे हैं। हमारे समय लगातार इन पर कार्रवाई की गई थी। अब राजस्थान सरकार को विशेष तौर पर इन इलाकों पर फोकस कर कार्रवाई करनी चाहिए जिससे युवाओं के भविष्य को बर्बाद होने से बचाया जा सके।

पंजाब में आम आदमी क्लीनिक अब होंगे आयुष्मान अरोग्य केंद्र

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में आम आदमी क्लीनिक खोलने के नाम पर बैकफुट पर आ गई है। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद सरकार ने आम आदमी क्लीनिक के बोर्ड उतारने शुरू कर दिए हैं। अब यह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र आयुष्मान अरोग्य केंद्र के नाम से जाने जाएंगे। पंजाब के शहरी क्षेत्रों में 242 आम आदमी क्लीनिक और 2889 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (2403) सब सेंटर और 266 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के बोर्ड उतारने का काम लुधियाना जिले से बुधवार को शुरू हो गया। पंजाब सरकार ने केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार इन केंद्रों के नाम बदलने शुरू कर दिए हैं। लुधियाना में 94 में से 65 आम आदमी क्लीनिक अब आयुष्मान आरोग्य केंद्र के नाम से जाने जाएंगे। इन क्लीनिकों पर नए बोर्ड लगाए गए हैं। इन क्लीनिकों से सीएम भगवंत सिंह मान की फोटो भी हटा दी गई है। केंद्र सरकार को क्लीनिकों के नामों पर आपत्ति थी। उनका कहना था कि केंद्र सरकार के पैसे से खोले गए केंद्रों का नाम आम आदमी क्लीनिक रखकर राज्य सरकार ने ब्रांडिंग नियमों का उल्लंघन किया है। फंड बंद होने के बाद से केंद्र और राज्य सरकारों के बीच खींचतान चल रही है। बोर्ड बदलने की जिम्मेदारी जिला स्वास्थ्य समितियों को दी गई है। इन बोर्डों पर पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी में आयुष्मान आरोग्य केंद्र लिखा हुआ है।

घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट मामला : माली-सैनी समाज हुआ लामबंद

जयपुर (हिंस)। जयपुर के श्याम नगर थाने इलाके के कटेवा नगर गुर्जर की थड़ी निवासी मोतीलाल सैनी के घर में घुसकर 9 जनवरी की रात को महिलाओं के साथ मारपीट का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के विरोध करते हुए राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा, महात्मा ज्योतिबा फुले राष्ट्रीय संस्थान और सैनी अधिकारी कर्मचारी विकास संस्था ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिला तो सड़कों पर उतर कर पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। राजस्थान प्रदेश माली सैनी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष ताराचंद गहलोत ने कहा कि प्रदेश में हो रहे माली सैनी समाज पर अत्याचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने सरकार से मांग की है कि पुलिस मोतीलाल सैनी के खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का झूठा मुकदमा वापस लिया जाए, वहीं वीडियो में नजर आ रहे दोषी पुलिस कर्मियों को सस्पेंड किया जाए और साथ ही इस प्रकरण की जांच दूसरे सर्कल के डीसीपी से करवाई जाए। इसके लिए सरकार को चेतावनी देते हुए सात दिन का अल्टीमेटम दिया है अन्यथा माली सैनी समाज की महापंचायत बुलाकर मोतीलाल सैनी के परिवार को न्याय दिलाने के लिए उग्र आंदोलन किया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

प्रयागराज में कैबिनेट बैठक कर राजनीतिक संदेश देना चाहती है सरकार : अखिलेश यादव

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि समाजवादी पार्टी के लोगों के मन में महाकुंभ को लेकर आस्था है। बहुत सारे लोग हैं, जो गंगा स्नान कर आये होगें और फोटो भी नहीं डाली होगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को समाजवादी पार्टी के रामगोविन्द चौधरी, राजेन्द्र चौधरी सहित स्थानीय नेताओं के साथ स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कुम्भ और प्रयागराज वो स्थान नहीं, जहां राजनीति-राजनैतिक कार्यक्रम व फैसले लिए जाएं। कैबिनेट ही राजनीतिक है। सरकार राजनीतिक संदेश देना चाहती है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी भूमाफिया बन कर सामने आयी है। किसी भी जिले की रजिस्ट्री चेक कर लीजिए। मेरी बात सही न लगे तो लखनऊ, गोण्डा, अयोध्या की जमीनों की रजिस्ट्री को तत्काल चेक कर ?लीजिए। ये वक्फ की जमीन को केवल कब्जा करना चाहते हैं। विवाद खत्म नहीं करना चाहते हैं। विवाद बढ़ाना चाहते हैं। किस तरह समाज में नफरत फैले, जिसका सहारा लेकर भाजपा के लोग राजनीति कर सकें। पत्रकारों के प्रश्नों का जवाब देते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि सोचिए जो यह फैसला हो गया कि अमेरिका में रहने वाले भारतीय वापस आएंगे तो सरकार क्या करेगी। जो देश के असली सवाल हैं, किसान की आय दोगुनी हुई या नहीं, आधी वाली नौकरी पूरी हुई या नहीं।

अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर नमामि गंगे ने रामघाट पर उतारी आरती

वाराणसी (हिंस)। रामनगरी अयोध्या में जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में श्री रामलला के विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा के पहले वर्षगांठ पर बुधवार को यहां रामघाट पर नमामि गंगे के सदस्यों ने घाट की आरती उतारी। महर्षि योगी वेद विज्ञान अध्ययन पीठ के वेदपाठी बटुकों के साथ कार्यकर्ताओं ने रामघाट पर गंगा तट की सफाई कर प्रभु श्रीराम के प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना की अलख जगाई। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और रामलला की तस्वीर लेकर मां गंगा से विकसित एवं आरोग्य भारत का आशीर्वाद मांगा। इस दौरान घाट पर प्रभु श्री राम के भजन भी गूंजते रहे। नमामि गंगे काशी क्षेत्र संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि रामघाट पर इधर-उधर बिखरी गंदगी को टोकरी में समेट कर कूड़ेदान तक पहुंचाया गया। उन्होंने कहा कि अयोध्या में श्रीरामलला के भव्य मंदिर का निर्माण देश में सद्भाव, समन्वय, समरसता तथा सामाजिक सामंजस्य को बढ़ाने का अत्यंत संजीव और सशक्त अवसर रहा है। प्रभु श्रीराम से हमें पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलती है। श्रीराम का संपूर्ण जीवन प्रकृति-प्रेम एवं पर्यावरण चेतना से ओत-प्रोत है। उधर,

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर ही नगवां लंका स्थित हनुमान मंदिर में बड़े हनुमान जी का विधि विधान से पूजन कर भव्य संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके पहले आयोजक संस्था ट्रस्ट, श्री जगन्नाथ की देखरेख में बड़े हनुमान जी का भव्य श्रृंगार कर विशेष आरती की गई। कार्यक्रम में हनुमान जी का पूजन आचार्य संदीप त्रिपाठी और पं. शुकदेव त्रिपाठी (काशी प्रांत संयोजक, कुटुंब प्रबोधन) की देखरेख में हुआ।

बेहतर चुनाव प्रबंधन के लिए पूर्वी चंपारण डीएम राष्ट्रपति से होंगे पुरस्कृत

पूर्वी चंपारण (हिंस)। बिहार में लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रबंधन करने को लेकर पूर्वी चंपारण के जिलाधिकारी (डीएम) सौरभ जोरवाल राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत होंगे। भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) डीएम सौरभ जोरवाल को यह पुरस्कार देश भर के सभी जिलो में सबसे बेहतर प्रदर्शन करने को लेकर दिया जाएगा। जिसमे चुनाव संचालन में बेहतर प्रबंधन, आईटी पहल, सुरक्षा प्रबंधन में योगदान और उत्कृष्ट प्रदर्शन करना शामिल है। इस घोषणा के बाद पूरा बिहार गर्व महसूस कर रहा है, क्योंकि पहली बार भारतीय चुनावों की भव्यता, चुनाव सुधार, तकनीकी प्रगति और चुनाव प्रबंधन नवाचारों को प्रदर्शित करने वाले इस पुरस्कार से बिहार कैडर के आईएएस को मिलने जा रहा है।

No. BDB/15th FC(General)/2024-25/7 *Dated Borobazar,the 20th Jan.,2025*

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

Tender No. 7 of 2024-25

Sealed tender affixing a non refundable court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & paise twenty-five) onlywith a validity period 180 days which will be subsequently to be covered and drawn up in the printed of F-2 Form are invitedfrom thc rcgistcrcd contractor Class-I (A, B, C) & Class-II catcgorics ,Assam PWD (Road & Building) for 2 (two) nos of works under 15th FC (Tied Grant) for the year 2023-24 during 2024 -25 as stated below.

Package No.	Name of the work	Bid Value (in Rs.)	Earnest Money/ Bid Security (in Rs.)		Cost. of Bid
			General category	Reserved category	
1	2	3	4		5
1/2	*Const. Community toilet at Nutun Bazar No 1 Daokhanagar*	1047960.00	20960.00	10480.00	314.00
2/2	*Const. Community toilet at West Khamarpara village*	1047960.00	20960.00	10480.00	314.00

Detail NIT may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. In case the office remain close on tender issuing/ receiving/opening date the same will be issued/received/opened on the next working day.

A. The Bid security amount as specified in the above table(Colmn 4) against the work should be deposited in the form of demand Draft/Banker's chaque in favour of Block Dev. Officer , Borobazar TD Block.

B. The non refundable tender fee as specified in the above table (Column-5) against the work must be deposited in the form of demand Draft in favour of Principal Secretary, BTC, Kokrajhar payable at SBI, Kokrajhar.

1. **Date of issue of Bid Document : 22/01/2025**
2. **Last date of issue and submission of Bid Document : 13/2/2025 up to 2.00 PM**
3. **Date of opening of Bid : 13/2/2025 at 2.30 PM**

Sd/-
Block Development Officer,
Borobazar T.D. Block

IPR(BTC)-2023-24/1343

भारत की अक्षय ऊर्जा क्रांति : 2024 की उपलब्धियां और 2025 का लक्ष्य

नई दिल्ली

भारत की कुल गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता 20 जनवरी, 2025 तक 217.62 गीगावाट तक पहुंच गई है। इसमें वर्ष 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 24.5 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता और 3.4 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई, जो 2023 की तुलना में सौर प्रतिष्ठानों में दोगुने से ज्यादा और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों में 21 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत जैसे-जैसे एक स्थायी भविष्य की ओर अपने को बढ़ा रहा है, इसके नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2024 में देश ने सौर और पवन ऊर्जा प्रतिष्ठानों, नीतिगत प्रगति तथा बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए महत्वपूर्ण प्रगति की है, जिससे वर्ष 2025 में महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के लिए मंच तैयार हो गया है।

मंत्रालय के मुताबिक वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता हासिल करने की प्रतिबद्धता के साथ भारत स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में उभर रहा है। वर्ष 2024 में रिकॉर्ड तोड़ 24.5 गीगावाट सौर क्षमता और 3.4 गीगावाट पवन क्षमता जोड़ी गई, जो 2023 की तुलना में सौर प्रतिष्ठानों में दोगुने से अधिक वृद्धि और पवन प्रतिष्ठानों में 21 फीसदी की वृद्धि को दर्शाती है।

मंत्रालय के मुताबिक यह बढ़ोतरी सरकारी प्रोत्साहन, नीतिगत सुधारों और घरेलू सौर और पवन टरबाइन विनिर्माण में बढ़े हुए निवेश के कारण संभव हुआ। भारत की अक्षय ऊर्जा वृद्धि में सौर ऊर्जा प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में बनी रही, जो कुल स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता का 47 फीसदी है। पिछले साल 18.5 गीगावाट सौर क्षमता की स्थापना हुई, जो 2023 की तुलना में करीब 2.8 गुना अधिक है। राजस्थान, गुजरात और तमिलनाडु शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों के रूप में उभरे, जिनका भारत के कुल सौर ऊर्जा उत्पादन में 71 फीसदी का योगदान रहा।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी बैंक को तीसरी तिमाही में 16,736 करोड़ रुपये का मुनाफा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा सालाना आधार पर 2.2 फीसदी बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में बैंक को 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। एचडीएफसी बैंक ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ दो फीसदी बढ़कर 16,736 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष 2023-25 की समान अवधि में बैंक को 16,373 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने बताया कि तीसरी तिमाही में एकल आधार पर उसकी कुल आय बढ़कर 87,460 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 81,720 करोड़ रुपये थी। बैंक के मुताबिक तीसरी तिमाही में एकीकृत आधार पर उसका लाभ मामूली सुधार के साथ 17,258 करोड़ रुपये से बढ़कर 17,657 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि, एकीकृत कुल आय घटकर 1,12,194 करोड़ रुपये रह गई है, जो पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-नवंबर तिमाही में 1,15,016 करोड़ रुपये रही थी। परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) दिसंबर, 2024 के अंत तक कुल कर्ज का 1.42 फीसदी रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1.26 फीसदी थी। इसके अलावा शुद्ध एनपीए यानी फंसा कर्ज बढ़कर 0.46 फीसदी रहा है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 0.31 फीसदी था।

एनएसई ने 5 माह में एक करोड़ निवेशक जोड़े, आंकड़ा 11 करोड़ के पार

नई दिल्ली। शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ पार हो गई है। इसमें एक करोड़ पंजीकरण सिर्फ पांच महीनों में हुए हैं। एक्सचेंज के मुख्य व्यवसाय विकास अधिकारी श्रीराम कृष्णन ने कहा, एनएसई में पंजीकृत निवेशकों की संख्या 11 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही एक्सचेंज में पंजीकृत क्लाइंट कोड (खातों) की कुल संख्या 21 करोड़ हो गई है, जिसमें तक किए गए सभी पंजीकरण शामिल हैं। साल 1994 में एनएसई के परिचालन की शुरुआत के बाद से 1 करोड़ निवेशकों तक पहुंचने में इसको 14 साल लग गए। इसके बाद यह गति तेज हुई। वहीं, अगले एक करोड़ पंजीकरण में करीब सात साल लगे, उसके बाद अगले एक करोड़ के लिए 3.5 साल और चौथे करोड़ को जोड़ने में एक साल से थोड़ा ज्यादा वक्त लगा। पिछले साल मानक सूचकांक निफ्टी 50 ने 8.8 फीसदी का रिटर्न दिया जबकि निफ्टी 500 सूचकांक में 15.2 फीसदी की शानदार बढ़त देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि पिछले नौ साल से भारतीय बाजारों में सकारात्मक रिटर्न देखने को मिल रहा है। विशेष बात यह है कि कोई ग्राहक एक से अधिक ट्रेडिंग सदस्यों के साथ पंजीकरण करा सकते हैं।

ग्लोबल मार्केट से तेजी के संकेत, एशियाई बाजारों में भी मजबूती का रुख

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी के साथ कारोबार होता रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आम तौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उत्साह बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.83 प्रतिशत उछल कर 6,046.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 123.69 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,753.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,072.11 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,548.29 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी से शेयर बाजार में तेजी, बढ़त के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

बाजार की मजबूती के बावजूद निवेशकों को 2.11 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली

मंगलवार की बड़ी गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार इंडेक्स शेयरों में हुई खरीदारी के कारण मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। के कारोबार की शुरुआत भी तेजी के साथ हुई थी। हालांकि दिन के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक कुछ देर के लिए लुढ़क कर लाल निशान में भी पहुंचे लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण दोनों सूचकांकों में तेजी आ गई। पूरे दिन उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। कारोबार में आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। रियल्टी, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसके अलावा ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, मेटल और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के बावजूद ब्रॉडर मार्केट में हुई जोरदार बिकवाली के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 421.96 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया।

पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 424.07 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.11 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,059 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,147 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,797 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 115 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,559 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 635 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,914 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 27 शेयर हरे निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 276.06 अंक की मजबूती के साथ 76,114.42 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद कुछ देर तक ये सूचकांक मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार करता रहा लेकिन दोपहर 11 बजे के करीब बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक सारी बढ़त गंवा कर 21.86 अंक की कमजोरी के साथ 75,816.50 अंक तक गिर गया। हालांकि दोपहर 2 बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर जोर लगाया, जिसकी वजह से सेंसेक्स 566.63 अंक की मजबूती के साथ 76,404.99 अंक के स्तर पर बंद होने में सफल रहा। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 74.50 अंक की मजबूती के साथ 23,099.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद लिवालों और बिकवालों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में भी उतार-चढ़ाव होने लगा। बिकवाली के दबाव में निफ्टी 43.35 अंक की कमजोरी के साथ 22,981.30 अंक तक पहुंचा। खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये सूचकांक 144.90 अंक उछल कर 23,169.55 अंक तक पहुंचने में सफल रहा।

हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 130.70 अंक की बढ़त के साथ 23,155.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से विप्रो 3.60 प्रतिशत, इंफोसिस 3.10 प्रतिशत, टीसीएस 2.99 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.65 प्रतिशत और सन फार्मास्युटिकल्स 2.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.10 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 2.37 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 1.93 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.59 प्रतिशत और एक्सिस बैंक 1.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल रहे।

ईपीएफओ ने नवंबर महीने के दौरान शुद्ध 14.63 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली

रोजगार के मोर्चे पर अच्छी खबर है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने नवंबर महीने में शुद्ध रूप से (नेट) 14.63 लाख सदस्य जोड़े हैं। पिछले महीने अक्टूबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 13.41 लाख सदस्यों को जोड़ा था।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ईपीएफओ ने नवंबर, 2024 में 14.63 लाख नेट सदस्यों को जोड़ा है, जबकि अक्टूबर, 2024 के दौरान ईपीएफओ ने 13.41 लाख सदस्यों को जोड़ा था। इस तरह ईपीएफओ से जुड़ने वाले सदस्यों की संख्या में शुद्ध 9.07 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। वहीं, सालाना आधार पर नवंबर 2023 की तुलना में शुद्ध सदस्यों की संख्या में 4.88 फीसदी की वृद्धि है।

अनंतिम पेरोल डेटा के मुताबिक ईपीएफओ ने नवंबर, 2024 में करीब 8.74 लाख नए सदस्य जोड़े हैं। अक्टूबर, 2024 की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 16.58 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। नए सदस्यों के सालाना आधार पर विश्लेषण से पता चलता है कि नवंबर 2023 में पिछले वर्ष की तुलना में नए सदस्यों की संख्या में 18.80 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है।

आंकड़ों के मुताबिक इस दौरान ईपीएफओ से जुड़ने वालों में 18-25 आयु वर्ग के सदस्यों का दबदबा रहा है। नवंबर, 2024 के दौरान 18-25 आयु वर्ग में 4.81 लाख नए सदस्य जुड़े हैं, जो इस दौरान जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 54.97 फीसदी है। वहीं, 18-25 आयु वर्ग के नए सदस्यों की संख्या पिछले महीने अक्टूबर की तुलना में 9.56 फीसदी ज्यादा है, जबकि नवंबर 2023 की तुलना में 13.99 फीसदी की वृद्धि है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक यह पहले की प्रवृत्ति के अनुरूप है, जो दर्शाता है कि संगठित कार्यबल में शामिल होने वाले अधिकांश व्यक्ति युवा हैं, मुख्य रूप से पहली बार नौकरी चाहने वाले। गौरतलब है कि अप्रैल 2018 के महीने से ईपीएफओ सितंबर 2017 से आगे की अवधि को कवर करते हुए पेरोल का डेटा जारी कर रहा है।

डीआरआई ने करीब 32 करोड़ रुपये की 32 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां जब्त कीं

नई दिल्ली

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में दो मामलों में करीब 32 करोड़ रुपये की 32 किलोग्राम मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त कीं हैं, जबकि तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, एक अन्य मामले में त्रिपुरा के बाहरी इलाके में एक ट्रक से 6 करोड़ रुपये मूल्य की 6 किलोग्राम मेथामफेटामाइन गोलियां जब्त कीं गईं हैं। वित्त मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में सक्रिय संगठित ड्रग सिंडिकेट के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत मिजोरम में भारत-म्यांमार सीमा के जरिए भारत में तस्करी करके लाई गई 26 किलोग्राम मेथामफेटामाइन की गोलियां 19 जनवरी, 2025 को कछार जिले, असम के द्वारबंद बाजार क्षेत्र में जब्त की। इस ऑपरेशन में असम राइफल्स, सिलचर के कर्मियों ने सहायता की। मंत्रालय के मुताबिक इस मामले में स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 के तहत एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। अंतरराष्ट्रीय अवैध दवा बाजार में जब्त की गई दवा की कीमत 26 करोड़ रुपये आंकी गई है। इस बड़ी अवैध दवा की खेप को अशोक लीलैंड ट्रक में विशेष रूप से बनाए गए कैविटी में ले जाया जा रहा था। इसके अलावा एक अन्य मामले में डीआरआई ने 20 जनवरी, 2025 को अगरतला, त्रिपुरा के बाहरी इलाके में एक ट्रक से 6 करोड़ रुपये मूल्य की 6 किलोग्राम मेथमफेटामाइन गोलियां जब्त कीं हैं। ट्रक के डैशबोर्ड के नीचे छिपाकर रखी गई यह दवा बरामद की गई। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उल्लेखनीय है कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में डीआरआई ने 70 लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान 231 किलोग्राम से अधिक मेथामफेटामाइन गोलियां, 16 किलोग्राम हेरोइन, 1,375 किलोग्राम गांजा (भांग) और 3.7 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक खरपतवार जब्त किया गया, जिसकी कीमत 355 करोड़ रुपये से अधिक है और पूर्वोत्तर क्षेत्र में 36 मामलों में 32 वाहन जब्त किए गए।

डीपीआईआईटी ने जॉब्स पैदा करने और प्रतिभा को बढ़ावा देने के लिए अपना के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) और रोजगार एवं पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म अपना ने प्रतिभा खोज के लिए हाथ मिलाया है, ताकि डीपीआईआईटी-पंजीकृत स्टार्टअप्स को उच्च कुशल जनशक्ति से लैस किया जा सके और इस प्रकार बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकें।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में बताया कि ये समझौता ज्ञापन (एमओयू) के जरिए औपचारिक रूप से की गई है। इस साझेदारी से भारत स्टार्टअप रजिस्ट्री (भास्कर) प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत 7 लाख संस्थाओं में से प्रत्येक के लिए अपना के प्लेटफॉर्म पर हायरिंग क्रेडिट में 2000 रुपये प्रति इकाई का मौद्रिक मूल्य मिलेगा। वर्तमान में इसका मूल्य 140 करोड़ रुपये होगा। जैसे-जैसे स्टार्टअप इकोसिस्टम धीरे-धीरे विकसित होगा, इस पहल का मूल्य बढ़कर अनुमानित 300 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक यह आपसी सहयोग डीपीआईआईटी पंजीकृत स्टार्टअप को अपना के प्लेटफॉर्म पर 2000 रुपये के क्रेडिट प्रदान करने का प्रयास करता है। यह क्रेडिट जॉब पोस्टिंग को सक्षम करके और अनुरूप प्रतिभा पूल तक पहुंच को अनलॉक करके बेहतर भर्ती का समर्थन करेंगे। भास्कर पर सात लाख पंजीकरणों के साथ यह पहल 140 करोड़ रुपये से अधिक के मूल्य का प्रतिनिधित्व करती है। जैसे-जैसे पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर स्टार्टअप की संख्या बढ़ती है, मूल्य 300 करोड़ रुपये तक बढ़ जाएगा, जो भारत की उद्यमशीलता का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण संसाधन प्रदान करेगा। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक क्रेडिट स्टार्टअप को अपना के व्यापक भर्ती उपकरणों तक पहुंचने में सक्षम करेगा, जिससे बेहतर जॉब मैचिंग और दक्षता को बढ़ावा मिलेगा। प्रतिभा तक बेहतर पहुंच नई पहलों के लिए बाजार में लगने वाले समय में कमी लाएगी, जिससे परिचालन को बढ़ाने में स्टार्टअप को मदद मिलेगी। इसके अलावा अपना का प्लेटफॉर्म कुशल श्रमिकों के लिए भारत के उभरते उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ने के लिए रास्ते तैयार करेगा। क्रेडिट स्टार्टअप को अपना की जॉब पोस्टिंग और एआई-संचालित मिलान सुविधाओं का उपयोग करने में सक्षम बनाएगा, जो उनकी भर्ती आवश्यकताओं के अनुरूप होगा। मंत्रालय ने बताया कि एकीकरण की दिशा में सक्रिय उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग का स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम अपना के साथ मिलकर जॉब पोस्टिंग को क्यूरेट करेगा और टैलेंट पूल को उद्योग की आवश्यकताओं के साथ संरेखित करेगा।

गैर निवासी क्रूज शिप संचालकों के लिए आयकर अधिनियम में संशोधन अधिसूचित

केंद्र ने गैर-निवासी क्रूज शिप ऑपरेटरों के लिए नए आयकर नियम किए अधिसूचित

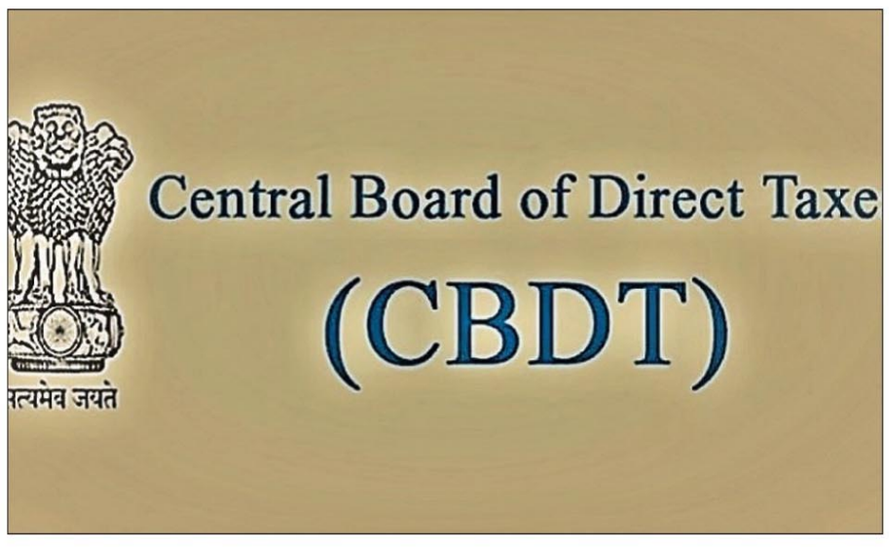

नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने गैर-निवासी क्रूज शिप ऑपरेटरों के लिए अनुमानित कराधान व्यवस्था की प्रयोज्यता के लिए शर्तें निर्धारित करने हेतु आयकर नियमों में संशोधन को अधिसूचित किया है।

आयकर विभाग ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि निवेश और रोजगार को बढ़ावा देने के उपाय के रूप में वित्त अधिनियम, 2024 ने क्रूज जहाजों के संचालन के व्यवसाय में लगे गैर-निवासियों के लिए एक अनुमानित कराधान व्यवस्था शुरू की गई है। इसके अलावा किसी विदेशी कंपनी को भारत में ऐसे जहाजों का संचालन करने वाली संबंधित कंपनी से प्राप्त क्रूज जहाजों के पट्टा किराये से होने वाले इनकम के लिए भी छूट प्रदान की गई है।

सीबीडीटी की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक इस प्रकल्पित कराधान व्यवस्था की प्रयोज्यता निर्धारित शर्तों के अधीन है। इसमें गैर-निवासियों के लिए निर्धारित इन शर्तों के अनुसार संचालित किए जाने वाले यात्री जहाज की वहन क्षमता 200 से अधिक यात्रियों की होनी चाहिए या इसकी लंबाई 75 मीटर या उससे अधिक होनी चाहिए तथा इसमें यात्रियों के लिए मनोरंजन और मनोरंजन के लिए उपयुक्त भोजन और केबिन की सुविधा होनी चाहिए। अधिसूचना के मुताबिक संचालित किए जाने वाले जहाज को भारत के कम से कम दो समुद्री बंदरगाहों या भारत के एक ही समुद्री बंदरगाहों को दो बार छूते हुए निर्धारित यात्रा या तटीय भ्रमण पर होना चाहिए। यह भी अनिवार्य है कि संचालित किया जाने वाला जहाज मुख्य रूप से यात्रियों को ले जाने के लिए हो, न कि माल ढोने के लिए। इसके अलावा जहाज को पर्यटन मंत्रालय या शिपिंग मंत्रालय द्वारा जारी प्रक्रिया और दिशानिर्देशों के अनुसार संचालित किया जाना होगा। इन संशोधनों का प्रस्ताव केन्द्रीय बजट में क्रूज-शिपिंग उद्योग को बढ़ावा देने के लिए किया गया था, जिसका उद्देश्य भारत को एक आकर्षक क्रूज पर्यटन स्थल बनाना, देश में क्रूज शिपिंग के लिए वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित करना और घरेलू पर्यटकों के बीच क्रूज शिपिंग को लोकप्रिय बनाना था। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने पांच वर्षीय क्रूज भारत मिशन भी शुरू किया है, जिसका लक्ष्य 2029 तक 10 लाख यात्रियों तक पहुंच कर तथा 4,00,000 नौकरियां सृजित करके भारत में क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देना है। इस मिशन में एक समर्पित कोष की स्थापना, कैबोटेज विनियमों को आसान बनाना और वित्तीय प्रोत्साहन शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले से पहले रोहित शर्मा ने नेट्स पर बहाया पसीना

नई दिल्ली

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के दूसरे दौर के मैच से पहले अपनी घरेलू टीम मुंबई के साथ जमकर नेट्स पर अभ्यास किया। जम्मू-कश्मीर के खिलाफ यह मैच 23 से 26 जनवरी तक मुंबई के बीकेसी स्थित शरद पवार क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा।

मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने बुधवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर रोहित शर्मा की नेट्स पर अभ्यास करते एक तस्वीर पोस्ट की। इसके साथ कैप्शन लिखा द हिटमैन शो।

गत चैंपियन मुंबई की टीम गुरुवार से जम्मू-कश्मीर के खिलाफ बीकेसी के शरद पवार क्रिकेट अकादमी में मैच खेलेगी। मैच के लिए रोहित शर्मा को मुंबई की 17 सदस्यीय टीम में शमिल किया गया है। उनके साथ युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी शामिल किए गए हैं। रोहित पिछले 10 साल में पहली बार रणजी ट्रॉफी का मैच खेलेंगे। रोहित ने मुंबई के लिए आखिरी बार रणजी ट्रॉफी मैच 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था।

खराब फॉर्म से गुजर रहे रोहित ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में खेलने के लिए खुद को उपलब्ध बताया था। भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज और फिर चैंपियंस ट्रॉफी खेलनी है। ऐसे में रोहित का फॉर्म में वापस आना बेहद जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले के लिए मुंबई टीम:

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, आयुष म्हात्रे, श्रेयस अय्यर, सिद्धेश लाड, शिवम दुबे, हार्दिक तमोरे (विकेटकीपर), आकाश आनंद (विकेटकीपर), तनुष कोटियन, शम्स मुलानी, हिमांशु सिंह, शार्दुल ठाकुर, मोहित अवस्थी, सिलवेस्टर डिसूजा, रोयस्टन डियाज, कर्ष कोठारी।

38वें राष्ट्रीय खेलों की तैराकी प्रतियोगिता के लिए हल्द्वानी में विशेष प्रशिक्षण शुरू

देहरादून। उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों की तैयारियां जोरों पर हैं। खेल विभाग इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम हल्द्वानी में खिलाड़ियों के लिए तैराकी का विशेष प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। प्रशिक्षण में उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों से भी खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा और प्रदर्शन के लिए स्विमिंग पूल में विशेष पूल हीटिंग सिस्टम भी लगाया गया है, ताकि ठंड के मौसम में भी खिलाड़ी बिना किसी बाधा के प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। यह कदम खिलाड़ियों को उनकी तकनीक और सहनशक्ति को और बेहतर बनाने में मदद करेगा। खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि खेलों में तैराकी की प्रतियोगिता आयोजित करना एक चुनौती थी। तैराकी के लिए स्विमिंग पूल समेत अन्य अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं की जरूरत थी। विशेष रूप से सर्दी के मौसम में भी पूल के तापमान को 22 डिग्री के आसपास रखना जरूरी था। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर स्विमिंग पूल तैयार किया गया और अब उत्तराखंड तैराकी के क्षेत्र में भी आगे बढ़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की घोषणा

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने 11 से 16 फरवरी तक चीन के किंगदाओ में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए 14 सदस्यीय मजबूत भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पेरिस ओलंपिक सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन 14 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। भारत ने 2023 में दुबई में आयोजित चैंपियनशिप के पिछले संस्करण में कांस्य पदक जीता था और इस बार उसका लक्ष्य उस प्रदर्शन में सुधार करना होगा।भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने बीएआई ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप एक प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है, जहां टीमों की गहराई और गुणवत्ता का परीक्षण किया जाता है। हमने दो साल पहले कांस्य पदक जीतकर अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल हमारा लक्ष्य फाइनल तक पहुंचना है और फिर कुछ भी संभव है, हम पूरी ताकत लगाएंगे। बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम: पुरुष: लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, ध्रुव कपिला, एमआर अर्जुन, सतीश कुमार के महिलाएं: पीवी सिंधु, मालविका बंसोड़, गायत्री गोपीचंद, ट्रीसा जॉली, अश्विनी पोनप्पा, तनीषा क्रैस्टो, आद्या वारियथ।

विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टोक्यो 25 के लिए ऑफिशियल मोटो और विजुअल आईडेंटिटी की घोषणा

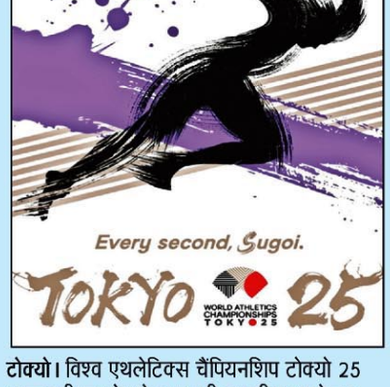

टोक्यो। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप टोक्यो 25 (डब्ल्यूसीएच टोक्यो 25) की स्थानीय आयोजन समिति ने बुधवार को इस वर्ष के बहुप्रतीक्षित आयोजन के लिए आधिकारिक मोटो (आदर्श वाक्य) और विजुअल आईडेंटिटी (दृश्य पहचान) का अनावरण किया। विजुअल आईडेंटिटी को एक आधिकारिक पोस्टर द्वारा दर्शाया गया है जो एक खेल के रूप में एथलेटिक्स की गतिशीलता का एक शक्तिशाली दृश्य प्रतिनिधित्व करता है और इसे दुनिया भर के दर्शकों को लुभाने और प्रेरित करने के लिए डिजाइन किया गया था। पोस्टर में चैंपियनशिप के 20वें संस्करण का आधिकारिक आदर्श वाक्य दिखाया गया है; हर सेकेंड, सुगोई। डब्ल्यूसीएच टोक्यो 25 का आधिकारिक आदर्श वाक्य, हर सेकंड, सुगोई, एक शक्तिशाली संदेश देता है - जो जापानी शब्द (अद्भुत, असाधारण) को विस्मय और प्रेरणा की वैश्विक अभिव्यक्ति बनाने की आकांक्षा रखता है।

राष्ट्रीय खेलों में उप्र को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद, 31 खेलों में 340 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

लखनऊ। उत्तराखंड में होने वाले 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए उत्तर प्रदेश ने अब तक की सबसे अच्छी तैयारी की है। 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होने वाले खेलों के लिए उप्र से 31 खेलों के 340 खिलाड़ी हिस्सा लेने जाएंगे।

इसमें सबसे ज्यादा एथलेटिक्स के 50 खिलाड़ी होंगे। इसके अलावा खिलाड़ियों के कोच और मैनेजमेंट भी सलाह देने व व्यवस्था के लिए वहां जाएगा। खास बात यह है कि एथेलेटिक्स में जाने वाले खिलाड़ियों में पुरुष की अपेक्षा महिला खिलाड़ी ज्यादा है। 23 पुरुष खिलाड़ी तो 27 महिला खिलाड़ी अपना जौहर दिखायेंगे। इसके अलावा तैराकी, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बास्केटबाल, बाक्सिंग, कयाकिंग, कयाकिंग केनोइंग, साइकिलिंग, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, हैंडबाल, बीच हैंडबाल, हाकी, जूडो,कबड्डी, बीच कबड्डी, मलखंभ, रोइंग, शूटिंग, स्क्वाश, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, ट्रायथलान, बीच वालीबाल, वेटलिफ्टिंग, कुश्ती, वुशू, योगासन, कलारीपयट्टी, मार्डन पेंटाथलान खेल में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन खेलों में 195 पुरुष और 145 महिला खिलाड़ी हैं। वहीं इन खिलाड़ियों के साथ 94 आफिशियल लोग भी रहेंगे। इस संबंध में उप्र ओलंपिक संघ के महासचिव आनंदेश्वर पांडेय ने बताया कि इस बार ज्यादा संख्या में गोल्ड आने की उम्मीद है।

केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने खो-खो विश्व कप विजेता भारतीय टीमों को सम्मानित किया

पारंपरिक खेल लचीलापन, सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं : मांडविया

नई दिल्ली

केन्द्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने बुधवार को नई दिल्ली में विश्व कप विजेता भारतीय खो-खो टीमों को सम्मानित किया। इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में 19 जनवरी को खेले गए पहले खो-खो विश्व कप का खिताब जीतकर भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने इतिहास रच दिया। दोनों टीमों ने अपने-अपने फाइनल में नेपाल को हराया था।

बुधवार को पुरुष और महिला खो-खो टीमों के पूरे खिलाड़ियों से केन्द्रीय खेल मंत्री मांडविया ने मुलाकात की। खिलाड़ियों के साथ कोच, भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल और मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री ने खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके प्रदर्शन की सराहना की।

देश में पारंपरिक खेलों के बारे में बात करते हुए केन्द्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि पारंपरिक खेल लचीलापन, सामुदायिक भावना को दर्शाते हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये हमारे पारंपरिक खेल मूल्यों को बनाए रखते हैं। दुनिया को इन पारंपरिक खेलों की समृद्धि से बहुत कुछ सीखना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सभी हितधारकों की जीत का सिलसिला जारी रहना चाहिए, जिसका नवीनतम लक्ष्य 2026 एशियाई खेल हैं। हमने खो-खो विश्व कप के आयोजन में शानदार काम किया और हमें यह प्रयास करने की जरूरत है कि इन खिलाड़ियों को एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिले। सरकार का प्रयास भी खो-खो को 2036 ओलंपिक खेलों में ले जाना है। इसके लिए खिलाड़ियों और कोचों को बेहतर प्रदर्शन करते रहना होगा। महासंघ को अच्छा प्रबंधन करते रहना होगा और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायता और सहयोग करता रहेगा। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित खो-खो विश्व कप 2025 में भाग लेने वाले 23 देशों में से भारत शीर्ष पर रहा। इसका श्रेय काफी हद तक भारतीय खेल प्राधिकरण जेएलएन स्टेडियम में महीने भर चलने वाले शिविर को दिया जाता है।

भारतीय महिला खो-खो टीम के मुख्य कोच सुमित भाटिया ने बताया कि 10 दिसंबर को हमने 60 खिलाड़ियों के साथ जेएलएन स्टेडियम में शिविर शुरू किया। उनमें से, हमने पुरुष और महिला टीम के लिए 15-15 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने। टीमों में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के खिलाड़ी शामिल थे और शिविर ने उन्हें टीम के बीच तालमेल बिठाने में मदद की। भाटिया ने कहा कि खिलाड़ियों को पहली बार खेल विज्ञान परीक्षण से गुजरना पड़ा और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की ओर से सर्वोत्तम आहार और आवास सुविधाएं प्रदान की गईं। इसने हमारी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चार साल बाद इंग्लैंड में होने वाले विश्व कप के अगले संस्करण के साथ, हम पोडियम के शीर्ष पर फिर से भारत का झंडा फहराने का प्रयास करेंगे।

अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप : इंग्लैंड ने अमेरिका को आठ विकेट से हराया

जोहोर

इंग्लैंड ने बुधवार को यहां हए अंडर-19 महिला टी-20 मुकाबले में अमेरिका को आठ विकेट से हरा दिया है। इस मैच में इंग्लैंड की जीत में डेविना पेरिन के अर्धशतक 74 रनों और टुडी जॉनसन के नाबाद 44 रनों की अहम भूमिका रही। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिकी टीम ने 20 ओवरों में पांच विकेट पर 119 रन बनाये। इंग्लैंड की ओर से प्रिशा थानावाला, टुडी जॉनसन ने दो-दो विकेट लिये।

टिली कॉर्टीन-कोलमैन ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद इंग्लैड ने लक्ष्य 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर ही हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ओवर की दूसरी गेंद पर ही एरिन थॉमस का का विकेट खो दिया। एरिन ने अपना खाता भी नहीं खोला था। इसके बाद टुडी जॉनसन ने डेविना पेरिन के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 117 रनों की शतकीय साझेदारी हुई। अमेरिकी गेंदबाज पूजा शाह ने डेविना पेरिन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। डेविना पेरिन ने 45 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के के साथ ही 74 रन बनाये। वहीं जॉनसन 44 रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 14.2 ओवर में दो विकेट पर 120 रन बनाकर मुकाबला मुकाबला अपने नाम किया। अमेरिका की ओर से माही माधवन और पूजा शाह ने एक-एक विकेट लिया। वहीं इससे पहले इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाज करते हुए अमेरिका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 29 के स्कोर तक अपने तीन विकेट खो दिए थे।

वैभव ने की शानदार बल्लेबाजी, राज गार्डेन पहुंचा सेमीफाइनल में

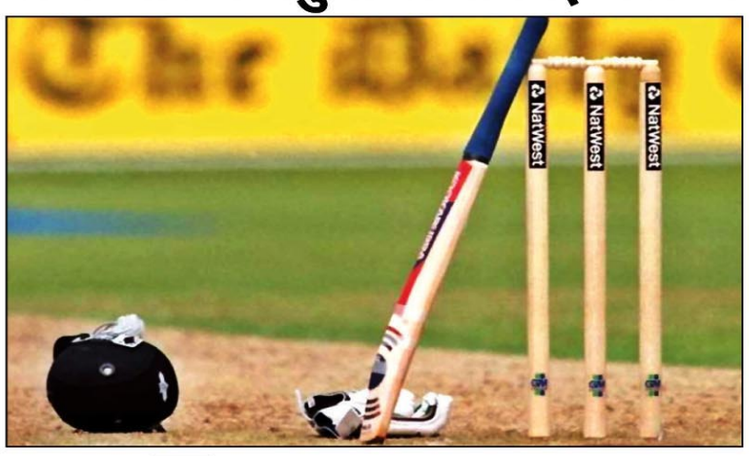

लखनऊ

बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के सी डीविजन के क्वार्टर फाइनल मैच में मल्टी फेसीलिटी क्रिकेट को हराकर राज गार्डेन ने सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में वैभव यादव ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 53 रन बनाये। राज गार्डेन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में पांच विकेट गवांकर 217 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज प्रमोद कुमार ने 26 रन का योगदान दिया। वहीं शिवम ने 31 रन बनाये। वहीं अविनाश यादव ने पांच चौकों की मदद से 51 रन बनाये। वहीं वैभव यादव ने नौ चौकों की मदद से 53 बाल पर 53 रन का योगदान दिया। अनुज ने 34 रन बनाये। वहीं मल्टी फेकेल्टी की पूरी टीम 214 रन बनाकर आउट हो गयी और राज ने तीन रन से मैच को जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक गोविंद ने 55 रन बनाये, जबकि उमाकांत ने 36 रन, गुरुवीर ने 34 रन बनाये।

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत को जीत दिलाने में रोहित और विराट अहम भूमिका निभाएंगे : मोहम्मद कैफ

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भारतीय टीम के कप्तान एवं दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की तारीफ की है। उनका मानना है कि आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत को जीत दिलाने में रोहित शर्मा और विराट कोहली अहम भूमिका निभाएंगे। दोनों सफेद गेंद के बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

कैफ ने अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी में रोहित शर्मा और विराट कोहली अहम योगदान देंगे। रोहित 37 साल के हैं और कोहली 36 साल के हैं। दोनों लंबे समय तक नहीं खेलने वाले हैं। जितना भी खेलें, उनके लिए प्रार्थना करें, उनका समर्थन करें। वे दो बेहतरीन सफेद गेंद के खिलाड़ी हैं। मुझे विश्वास है कि वे जितना भी खेलेंगे अच्छा खेलेंगे। अगर वे अच्छा खेलते हैं, तो आप दुबई में मैच जीतेंगे। रोहित तेज बल्लेबाजी करके आपको शुरुआत देते हैं और विराट कोहली उस शुरुआत का इस्तेमाल कर आखिर तक बल्लेबाजी करते हैं और रन बनाते हैं, तो ऐसे दोनों दिग्गज बल्लेबाजों को प्यार दो। चैंपियंस ट्रॉफी में इनका बड़ा रोल होने वाला है।

विराट कोहली और रोहित शर्मा का हालिया टेस्ट फॉर्म भले ही बहुत अच्छ न रहा हो लेकिन 2023 के विश्व कप में दोनों ने कमाल का खेल

दिखाया था। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 19 फरवरी को होगी और 9 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में आयोजित की जाएगी। भारतीय टीम हाइब्रिड मॉडल के तहत यूएई में अपने मैच खेलेगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 15 मैच होंगे। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मुकाबला दो चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को खेला जाएगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ करेगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल (उपकप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पांड्या, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा।

महाराष्ट्र के सुमेर मांगो बने जूनियर बिलियर्ड्स चैंपियन, 91वीं राष्ट्रीय बिलियर्ड्स व स्नूकर स्पर्धा

इन्दौर

भारतीय बिलियर्ड्स व स्नूकर एसोसिएशन के तत्वावधान में मध्यप्रदेश बिलियर्ड्स एवं स्नूकर एसोसिएशन व यशवंत क्लब की संयुक्त मेजबानी में यशवंत क्लब के स्मैश हॉल में खेली जा रही 91वीं राष्ट्रीय बिलियरर्ड्स व स्नूकर (पुरुष) चैंपियनशिप में महाराष्ट्र के सुमेर मांगो ने जूनियर बिलियर्ड्स का खिताब अपने नाम किया ।

शहर के प्रतिष्ठित यशवंत क्लब हो रही इस राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जूनियर खिलाड़ी अपना जौहर दिखा रहे है। जूनियर बिलियर्ड्स के विजेता का फैसला राउंड रॉबिन पद्धति के आधार पर हुआ, जिसमें महाराष्ट्र के सुमेर मांगो ने अपने तीनों मैच जीत कर खिताब अपने नाम किया। 90 मिनट टाउम फार्मेट के आधार पर हुए मुकाबलों में सुमेर ने पहले

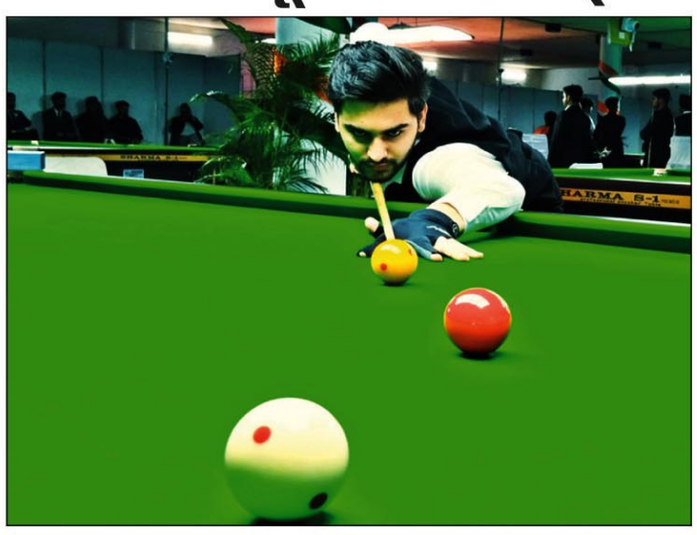

मुकाबले में महाराष्ट्र के ही शयान राजमी को 539-376 से, दूसरे मुकाबले में सुमेर ने गुजरात के ध्रुव पटेल को 370-321 से तथा तीसरे मुकाबले में सुमेर ने चंडीगढ़ के रणवीर दुग्गल को 585-312 से हराया।

सुमेर मागो ने पहला राष्ट्रीय खिताब सब जूनियर बिलियर्ड्स राष्ट्रीय चैम्पियनशिप भोपाल 2021 में जीता था। वहीं दूसरा राष्ट्रीय खिताब जूनियर पूल राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 इन्दौर में तथा तीसरा राष्ट्रीय खिताब मौजूदा जूनियर बिलियर्ड्स राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2025 इन्दौर जीता।

दूसरा स्थान चंडीगढ़ के रणवीर दुग्गल ने हासिल किया। उन्होंने दो मुकाबले जीते। पहले मुकाबले में रणवीर ने शयान राजमी को 528-365 से तथा दूसरे मुकाबले में रणवीर ने ध्रुव पटेल को 437-431 से पराजित किया। तीसरा स्थान ध्रुव पटेल ने शयान राजमी को 545-473 से हराकर हासिल किया। वहीं चौथे स्थान पर शयान राजमी रहे।

इसके पहले खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में सुमेर मांगो ने कर्नाटक के मयंक कार्तिक को331-273 से, रणवीर दुग्गल ने गुजरात के मयूर गर्ग को 321-272 से, ध्रुव पटेल ने महाराष्ट्र के आर्यन पारुलकर को 408-141 से तथा शयान राजमी ने म.प्र. के तथ्य सचदेव को 317-248 से हराया था। सब-जूनियर बालक के बिलियर्ड्स में तीसरा स्थान तेलंगाना के वैभव चड्ढा ने तमिलनाडु के जे. नवीन कुमार को 125-124 से हराकर जीता था।

:: रॉबिन, आदित्य, ध्वज आसानी से जीते ::

सीनियर बिलियर्ड्स के मुकाबलों में वरिष्ठ और अनुभवी खिलाड़ियों का वर्चस्व कायम है। बेस्ट ऑफ फाइव फार्मेट में खेले जा रहे पहले दौर के मुकाबलों में आरएसपीबी के रॉबिन डिसूजा ने पंजाब के राज मोहन को 3-0 से, आरएसपीबी के आदित्य अग्रवाल ने राजस्थान के जगदीश प्रदास को 3-0 से, पीएसपीबी के ध्वज हरिया ने तमिलनाडु के विजय निचानी को 3-1 से, पीएसपीबी के ऋषभ शाह ने आंध्र प्रदेश के गोविंद राज रेड्डी को 3-0 तथा पीएसपीबी के देवेंद्र जोशी के झारखंड के अमन कुमार को 3-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया।

स्वास्थ्य

वजन घटाने के लिए नींबू पानी पीते हैं, हो सकता है नुकसान

वजन घटाने के लिए अक्सर जो एक सुझाव ज्यादातर लोग देते हैं वह है- सुबह उठते ही खाली पेट में गुनगुने पानी में नींबू डालकर पीना... हम सब इस नुस्खे से वाकिफ हैं और बहुत से लोग ऐसे हैं जो नींबू-पानी पीने से होने वाले फायदों की तारीफ करते नहीं थकते। लेकिन इसके कुछ नुकसान भी हैं। ऐसे में अगर आप भी जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन करते हैं तो इससे होने वाले साइड इफेक्ट्स के बारे में जान लें...

सीने में जलन हो सकती है

नींबू, ऐसिडिक फ्रूट है और अगर इसका ज्यादा सेवन किया जाए तो इससे सीने में जलन की समस्या हो सकती है। लिहाजा अगर आपको ऐसिड रिफ्लक्स यानी अम्ल प्रतिवाह की समस्या है तो नींबू पानी पीने से बचें।

दांत की परत को नुकसान

नींबू में मौजूद ऐसिड दांत की परत को नुकसान पहुंचा सकता है। इससे नैचरल शुगर लेवल में कमी आने लगती है और फिर दांत खराब होने लगते हैं। लिहाजा अगर जरूरत से ज्यादा नींबू पानी का सेवन किया जाए तो इससे दांतों में सेंसिटिविटी और कैविटी की समस्या बढ़ सकती है।

मिचली आने की समस्या

वैसे तो नींबू में विटमिन सी की प्रचूर मात्रा होती है जो हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है लेकिन अगर इसका जरूरत से ज्यादा सेवन किया जाए तो यह शरीर के लिए कई तरह से खतरनाक साबित हो सकता है। इससे पेट में क्रैम्प्स पड़ सकते हैं, पेट खराब हो सकता है या मिचली आने की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

बार-बार यूरिनेशन के लिए जाना

नींबू के रस का ज्यादा सेवन करने पर स्वास्थ्य से जुड़ी एक और समस्या हो सकती है और वह है- बार-बार यूरिनेशन के लिए जाना जिससे डिहाईड्रेशन होने का खतरा रहता है। ऐसे में डिहाईड्रेशन से बचने के लिए आपको पानी पीने की मात्रा बढ़ा देनी चाहिए।

माइग्रेन के मरीजों के लिए ठीक नहीं

नींबू पानी पीने से कुछ मरीजों में माइग्रेन की समस्या दोबारा शुरू हो सकती है। इसकी वजह यह है कि खट्टे फलों में टाइरामीन होता है जिससे माइग्रेन की समस्या बढ़ सकती है। विटमिन सी शरीर के लिए बेहद जरूरी है लेकिन इसकी मात्रा को कम कर दें।

मुंह के छाले बढ़ सकते हैं

अगर आपको मुंह में छाले हो गए हैं तो नींबू पानी का सेवन न करें। इससे छाले और उनसे जुड़ी तकलीफ और बढ़ सकती है। जिन लोगों को ऐसिडिक फूड से ऐलर्जी है उन्हें भी नींबू पानी का सेवन नहीं करना चाहिए वरना उनकी ऐलर्जी की समस्या बढ़ सकती है

कुछ बातें, जिनकी वजह से बढ़ने लगती हैं दूरियां

कहते है कि बेटा मां का लाडला होता है और पापा का प्यारा लेकिन बेटा अपने पापा से काफी अलग-अलग रहता है। शायद उनके बीच की बोन्डिंग ज्यादा अच्छी नहीं होती। इनकी सोच भी एक-दूसरे से काफी अलग होती है। ऐसे में छोटी-छोटी बातों को लेकर मनमुटाव होना संभव है। बेटे को लगता है कि उसके पापा उससे प्यार नहीं करते है, वहीं दूसरी तरफ बाप को लगता है कि बेटा उसका कहना नहीं मानता। आज हम आपको उन्हीं बातों के बारे में बताएंगे, जिनकी वजह से बाप-बेटे का रिश्ता मजबूत और अच्छा नहीं बन पाता।

अभी तुम बच्चे हो

जब बेटा बड़ा होने लगे और हर बात पापा उसे डांटने लगे या उसे नादान बताने लगता है तो यही बेटे के गुस्सा का कारण बन जाता है और वह पापा से दूरी बना लेता है। ऐसे में बाप-बेटे दोनों को समझने की जरूर है। बात को समझना चाहिए कि हर बात उन्हीं के हिसाब से नहीं हो सकती।

पिता की रोक-टोक

लड़के जब बड़े हो जाते हैं तो वो किसी की नहीं सुनते। घूमना-फिरना तो मानों उनका शौंक होता है। ऐसे में बच्चे को हर बात के लिए मना करना या बात-बात पर टोकना अच्छा नहीं है। माना की बच्चों को कंट्रोल में रखना जरूरी है

लेकिन इतना भी नहीं कि उसके मन में आप ही के लिए नफरत पैदा हो जाए।

तुम्हारे बस का काम नहीं

जब बेटा उस काम को करने का सामर्थ रखता भी है लेकिन उसे बार-बार एक ही बात कहना कि यह काम तेरे बस का नहीं है तो उसका बहुत बुरा लगता है। ऐसे में बेटा इसे अपने आत्मसम्मान पर ले लेता है और बाप-बेटके बीच की दूरियां बढ़ने लगती है।

दोस्तों को लेकर बातें सुनाना

अधिकतर लड़कों को अपने दोस्तों का साथ काफी पसंद होता है। ऐसे में उसके दोस्तों को लेकर सुनाना और उनकी बुराई करने लग जाने से बेटे को बेहद बुरा लगता है। उससे लगने लगता है कि शायद उसका खुद का लिया कोई भी निर्णय ठीक नहीं है।

शैंपू से ज्यादा असरदार हैं ये चीजें

हर कोई चाहता है कि उसके बाल सॉफ्ट और शाइनी हो। इसके लिए लोग महंगे से महंगे शैम्पू (Shampoo) का इस्तेमाल करते है लेकिन पुराने समय में लोग ये शैम्पू नहीं बल्कि घरेलू तरीके अपनाकर अपने बालों की खूबसूरती बनाते थे। लोग काली मिट्टी जैसी चीजों का इस्तेमाल करते थे, जिससे बालों में चमक आती थी। दरअसल, इन चीजों में विटामिन्स और मिनरल्स होते है जिससे त्वचा का पीएच लेवल बैलेंस रहता है। इससे बाल घने और मजबूत होते है।

बालों को धोने के नैचुरल तरीके

मुल्तानी मिट्टी

मुल्तानी मिट्टी स्किन और बाल दोनों के लिए फायदेमंद है। इसमें पानी और नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं।

चावल का पानी

जापानी महिलाओं के बाल काफी चमकदार होते है। दरअसल, वह बालों को धोने के लिए चावल के पानी का इस्तेमाल करती हैं। इससे बालों की जड़ों से सफाई होती है और चमक आती है।

काली मिट्टी

शाइनी बालों के लिए चिकनी काली मिट्टी का इस्तेमाल करें। इसे पानी में मिलाकर बालों में लगाएं। 2 मिनट बाद बालों को धो लें।

आंवला

बालों को शाइनी बनाने के लिए आंवला बेस्ट है। आंवले में रीठा मिलाकर बालों की जड़ों में लगाएं। बाद में बालों को धो लें। इससे बाल झड़ने बंद होगे।

स्वास्थ्य

हिचकियों से परेशान हैं? ये रहे हिचकी दूर करने के

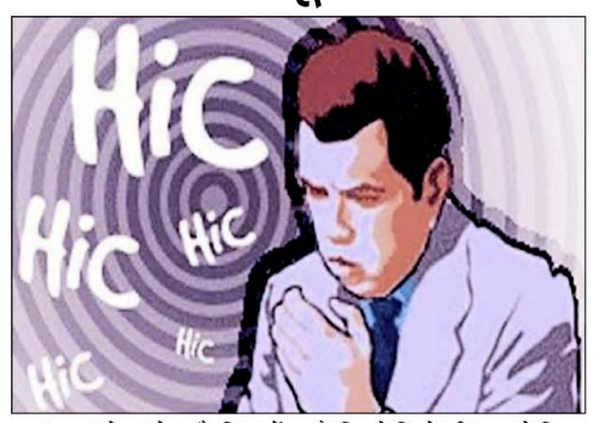

अक्सर ऐसा होता है कि हमें हिचकी आती है और हम कहते हैं कि शायद हमें कोई याद करता है। हिचकी आने पर अमूमन लोग पानी पीते हैं और हिचकियां रूक जाती हैं। लेकिन कभी-कभी हिचकियां लगातार आती रहती हैं और थोड़ी ही देर में यह परेशानी का सबब बन जाती है। ऐसे में सिर्फ पानी आपका साथ नहीं देता। हिचकियों को रोकने के लिए आप अन्य कई चीजों का सहारा ले सकते हैं। आईए जानते हैं ऐसी ही कुछ चीजों के बारे में-

मीठा है मददगार

अगर आपको हिचकियां परेशान कर रही हैं तो उस समय आप एक चम्मच चीनी खाएं। चीनी के दानेदार होने के कारण यह आपकी भोजन-नलिका को थोड़ा प्रभावित करती है। ऐसा करने से हिचकियां आना बंद हो जाती हैं, हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

सिरके का प्रयोग

चूंकि सिरका स्वाद में काफी खट्टा होता है, ऐसे में इसका प्रयोग भी आपकी हिचकियों को रोक सकता है। इसके लिए आप एक चम्मच सिरके का सेवन कर लीजिए। यकीन मानिए, आपकी हिचकियां बंद हो जाएंगी। आप चाहें तो सिरके के स्थान पर नींबू की स्लाइस या अचार के रस का प्रयोग भी कर सकते हैं।

पीनट बटर

अगर आप हिचकियों को बंद करने का एक असरदार तरीका खोज रहे हैं तो पीनट बटर आपकी खोज का अंत साबित हो सकता है। जब आप पीनट बटर खाते हैं तो आपको उसे चबाना पड़ता है, जिसके कारण आपकी जीभ व दांत का इस्तेमाल करना पड़ता है। ऐसा करने पर आपकी श्वसन प्रक्रिया भी बाधित होती है और अंत में हिचकियां आना बंद हो जाता है।

स्वाद शहद का

एक चम्मच शहद को गर्म पानी में मिक्स करें। अब इसे अपनी जीभ के निचले हिस्से की मदद से निगल जाएं। शहद आपकी वेगस तंत्रिका को गुदगुदी करता है, जिससे आपकी हिचकी स्वत: ही रूक जाती है।

चॉकलेट का प्रयोग

यह तरीका सुनने में जितना मीठा लगता है, इसे इस्तेमाल करने में आपको उतनी ही परेशानी आ सकती है। हिचकियों को रोकने के लिए आप एक चम्मच पाउडर चॉकलेट खाएं। एक चम्मच पाउडर चॉकलेट को निगलना आसान नहीं होता लेकिन यह आपकी हिचकियों को रोकने में काफी असरदार होता है।

हथियार बनेंगे हाथ

आप अपने एक हाथ की हथेली को दूसरे हाथ के अंगूठे की मदद से काफी तेज से दबाएं। यह आपके तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है और इससे थोड़ी ही देर में हिचकियां आना बंद हो जाता है।

ब्रीदिंग एक्सरसाइज

हिचकियों को रोकने में ब्रीदिंग एक्सरसाइज आपके काफी काम आ सकती है। इसके लिए आप पहले गहरी सांस लें और फिर जितना देर हो सके, उसे रोके रखें। ऐसा करने से आपके फेफड़ों में कार्बन डाईआक्साइड भर जाएगी और यह आपके डाइअफ्रैम को रिलैक्स करने में मदद करेगी। ऐसा होने पर आपकी हिचकियां भी रूक जाएंगी।

साइकोलॉजिकल तकनीक

कभी-कभी आप सिर्फ अपने दिमाग को डिस्ट्रैक्ट करके भी अपनी हिचकियों को रोक सकते हैं। जब आपका ध्यान किसी और चीज में लग जाता है तो हिचकियां खुद-ब-खुद ही रूक जाती हैं। इसके लिए आप अपना मनपसंद गीत लगाएं और उसके गीत खुद तेज-तेज गुनगुनाएं। अगर आप चाहें तो उसकी धुन पर डांस भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप एल्फाबेट गेम खेलकर भी अपना ध्यान हिचकियों से हटा सकते हैं।

हड्डियों की मजबूती के लिए जरूर खाएं मशरूम

मशरूम में कई ऐसे जरूरी पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जिनकी शरीर को बहुत आवश्यकता होती है। साथ ही ये फाइबर का भी एक अच्छा माध्यम है। कई बीमारियों में मशरूम का इस्तेमाल दवाई के तौर पर किया जाता है। इनमें विटामिन बी, डी, पोटैशियम, कॉपर, आयरन और सेलेनियम की पर्याप्त होती है। इसके अलावा मशरूम में कोलिन नाम का एक खास पोषक तत्व पाया जाता है, जो मांसपेशियों की सक्रियता और याददाश्त बरकरार रखने में बेहद फायदेमंद रहता है।

1. मशरूम में एंटी-ऑक्सीडेंट भूरपूर होते हैं।

2. मशरूम में मौजूद तत्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इससे सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियां जल्दी-जल्दी नहीं होतीं। मशरूम में मौजूद सेलेनियम इम्यून सिस्टम के रिस्पॉन्स को बेहतर करता है।

3. मशरूम विटामिन डी का भी एक बहुत अच्छा माध्यम है। यह विटामिन हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी होता है। नियमित तौर पर मशरूम खाने पर हमारी आवश्यकता का 20 प्रतिशत विटामिन डी हमें मिल जाता है।

4. मशरूम में बहुत कम मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जिससे वह वजन और ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ाता।

5. मशरूम में बहुत कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल होता है और इसके सेवन से काफी वक्त तक भूख नहीं लगती।

6. इसमें वसा, मिनरल और फाइबर की मात्रा पाई जाती है। इसके सेवन से पेट संबंधी रोग और मौसमी बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

इसके अलावा मशरूम को बालों और त्वचा के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। वहीं कुछ स्टडीज में मशरूम के सेवन से कैंसर होने की आशंका कम होने की बात तक कही गई है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

रेसिपी

आलू का हलवा

सामग्री

1 कप देसी घी
1 किलो उबले हुए आलू
1 1/2 कप चीनी
1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
8-10 बारीक कटे बादाम
8-10 बारीक कटा पिस्ता
10-12 किशमिश (पानी में भिगी हुई)

विधि

सबसे पहले एक कड़ाही में घी डालें और उसे गर्म करें। अब उबले हुए आलू को अच्छी तरह मैश कर लें और कड़ाही में डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। आलू को लगातार हिलाते रहें ताकि वह कड़ाही के साथ चिपक न जाए। इन्हें तब तक भूनें जब तक आलू का रंग हल्का ब्राउन न हो जाए। अब इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालकर एक बार फिरअच्छी तरह मिक्स करें।

हलवा जब घी छोड़ने लगे तो इसमें बादाम, पिस्ता और किशमिश डालकर मिक्स करें। आपका आलू का हलवा तैयार है। इसे गर्मा-गर्म सर्व करें।

चावल के पकोड़े

सामग्री

पके हुए चावल 2 कप प्याज़ 2 अदरक 1
/2(डेड़ इंच टुकड़ा ताज़े पुदीने के पत्ते 1/4(एक
थ कपबेसन 1/2(आधा) कप नमक स्वादानुसार
ी मिर्च बारीक कटा हुआ 4 चाट मसाला 1 छोटा
मच

विधि

एक कढ़ाई में आवश्यकतानुसार तेल गरम करने रखें। प्याज़, अदरक और पुदीने के पत्ते एक चॉप्पर में काट लें।चावल को एक बाउल में लें, उसमें डालें कटे हुए प्याज़-अदरज-पुदीने के पत्ते, बेसन, नमक, हरी मिर्चे और चाट मसाला और अच्छी तरह मिला लें।इस मिश्रण के मध्यम आकार के बॉल्स बना लें और गरम तेल में डालकर सुनहरा और करारे होने तक तल लें। तेल से निकालकर एब्सॉरबेन्ट पेपर पर रखें। गरमागरम परोसें।

विंटर में घर में गर्माहट का अहसास दे सकते हैं ये टिप्स

आपने कितने ही कपड़ें क्यों न पहने हों लेकिन अगर आपके घर में गर्माहट नहीं है तो आपको लगातार ठंड लगती रहेगी. ऐसे में हो सकता है कि ठंड आपको अपनी गिरफ्त में ले ले और आप बीमार भी हो जाएं. इस मौसम में अपने घर को गर्म रखने के लिए चमकीले, चटख रंग के कुशन इस्तेमाल में लाए जा सकते हैं या मोमबत्तियां जलाई जा सकती हैं. इससे आपको भी गर्माहट व सुकून का अहसास होगा.

एटलस इंटीरियो की प्रिंसिपल डिजाइनर अदिति साहनी और इनलिविंग के निदेशक आशीष गुप्ता ने इस सर्दियों में घर में गर्माहट बनाए रखने के संबंध में ये सुझाव दिए है।

चमकीले और आरामदायक, स्पॉन्जी टेक्सटाइल के इस्तेमाल के लिए सर्दी सबसे उपयुक्त मौसम है. ऊन, फॉक्स फर या मखमल के कुशन को इस्तेमाल में लाएं.

* ठंडे फर्श पर नहीं चलें. फर्श पर रंगीन, खबूसूरत कालीन या दरी बिछाएं, जो न सिर्फ आपके पैरों को गर्म रखेंगे, बल्कि घर की खूबसूरती भी बढ़ाएंगे. आप चाहें तो स्टाइलिश, रंगीन कॉर्पेट का चयन कर सकती हैं.

* सर्दियों में दीवारों को चटख गर्म रंगों जैसे लाल, पीला, भूरा रंग से पेंट कराएं. इससे आपके घर को नया और स्टाइलिश लुक भी मिलेगा.

* आप चाहें तो कई मोमबत्तियां जलाकर भी घर में गर्माहट बनाए रख सकती हैं. मोमबत्तियां आपको गर्माहट का अहसास दिलाने के साथ रूमानी अहसास भी दिलाएंगी.

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**